



# वैदिक युग

## उत्तर वैदिक

## वेद

- प्राचीनतम लेख
- यह भगवान द्वारा प्रदत् अपौरुषेय हैं।
- उपशाखा
  - संहिता - भजनो/ ऋचाओं का समूह ; पैरा में श्लोक
  - बाह्यण - वेदों का अंत - बलिदान और अनुष्ठान
  - अरण्यक - साधु (जंगल में निवास)
  - उपनिषद्/ वेदांत - ज्ञान का ग्रहण , ( कुल - 108 ; मुख्य - 10 )
- ऋग्वेद
  - सबसे पुराना एवं बड़ा।
  - 10 मंडल ' दूसरा - 7वाँ मूल रूप से बनाये गये।
  - 1028 भजन ( होत्री द्वारा गाये गये ) 10600 श्लोक
  - देवता - इंद्र , विष्णु , वरुण
  - गायत्री मंत्र - 3rd मंडल में
  - भगवान सोम - 9th मंडल में (ग्रहों के देवता )
- सामवेद
  - मंत्रोच्चार की धुनें शामिल।
  - उपनिषद्
    - चंडोग्य (Chandogya )
    - केना (Kena )
- यजुर्वेद
  - द्वितीय खंड में
    - शुक्ल - शतपत् शामिल
    - कृष्ण - बाह्यण (सबसे बड़ा )
  - उपनिषद्
    - बृहदारण्यक - प्राचीनतम उपनिषद्
    - कथा - नचिकेता की कहानी
- अथर्ववेद
  - जादुई सूत्रों का वेद
  - 20 खंड
  - उपनिषद्
    - मण्डूक - सत्यमेव जयते लिया गया
    - महा उपनिषद् - वसुदेव कुटुंबकम ( पूरा विश्व एक परिवार है। )

## वेदांग (Vedangas )

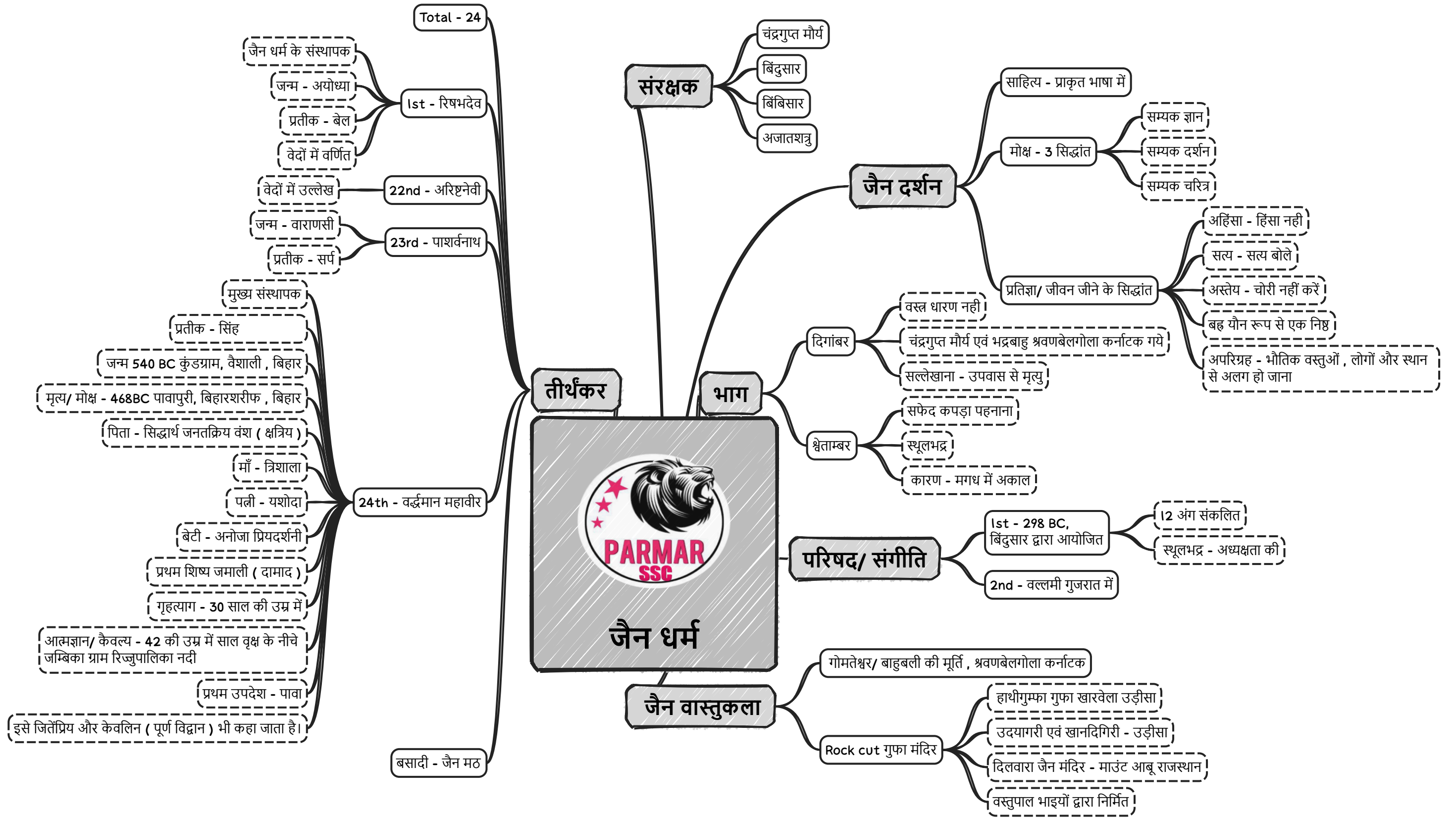
- शिक्षा - स्वर विज्ञान का अध्ययन
- कल्प - अभ्यास का अध्ययन (रीटा)
- व्याकरण - व्याकरण का अध्ययन
- निरुक्त - व्युत्पत्ति शास्त्र का अध्ययन
- ज्योति - प्रकाश का अध्ययन
- छंद - काव्यात्मक विषयों का अध्ययन

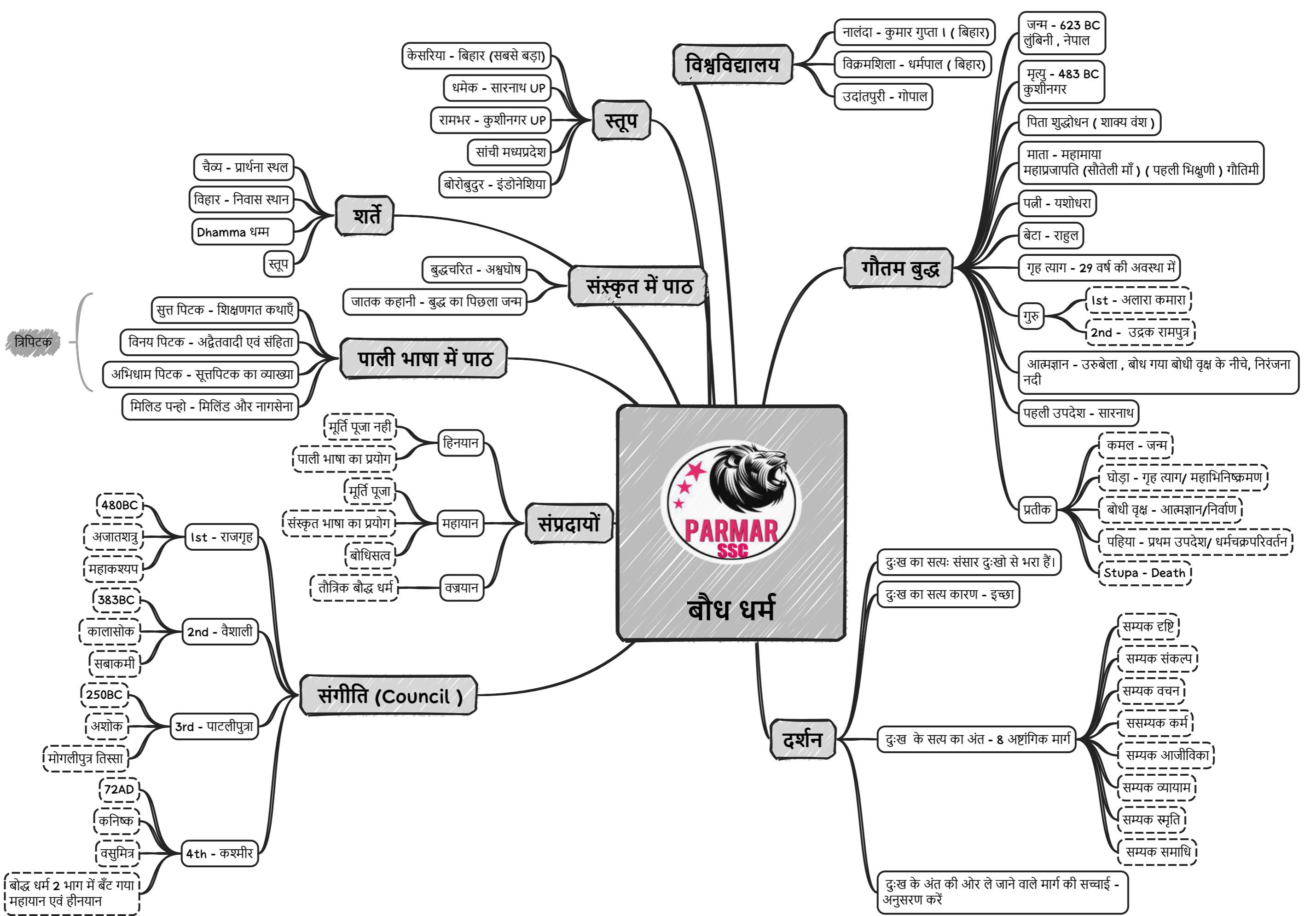
## दर्शनशास्त्र

- समाख्या - कल्पना
- न्याय - गौतम ( वैज्ञानिक दृष्टिकोण )
- वैशेषिक - कन्नड़ ( परमाणु )
- योग - पंतजलि
- उत्तर मीमांसा - बदरायण
- पूर्व मीमांसा - जैमिनी

## प्रारंभिक वैदिक/ ऋगवैदिक युग

- आर्यों ने पंजाब से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार तक विस्तार किया
- विस्तार संभवतः हुआ - लोहे के हथियार एवं घोड़े के कारण
- कृषि
  - आजीविका का मुख्य साधन
  - विरही - चावल
  - लकड़ी के हल (rular)
  - केन्द्रीकरण की शुरुवात
- राजनीति
  - सभा - महिलाओं को अनुमति नहीं थी
  - समिति
  - Vidatha - Ended
  - बलि - राजा को स्वेच्छिक भेंट
- वर्ण व्यवस्था
  - बाह्यण - प्रभुत्वशाली
  - क्षत्रिय - शासन एवं रक्षा करना
  - वैश्य - व्यापार
  - शूद्र - सेवक
- समाज
  - महिलाओं की स्थिति ठीक नहीं
  - गोत्र ( वंश ) प्रणाली का उदय
  - आश्रम , बाह्यचर्य , गृहस्थ , वाणप्रस्थ , सन्यास
  - भूरे रंग के मिट्टी के बर्तन
- मिट्टी के बर्तन
- पुराणा नाम
  - हिमवंत - हिमालय
  - अमुंजवत - हिंदुकुश
  - Indus - सिंधु
  - झेलम - विस्तता
  - चिनाब - अस्किनी
  - रावी - पोरुषिनी
  - व्यास - विपाशा
  - सतलुज - शुतुद्रि
  - Saraswati - Saraswati
- समाज
  - 4 वर्ण - बाह्यण , क्षत्रिय , वैश्य , और शूद्र
  - पेशा पर आधारित
  - बाल - विवाह नहीं
  - विधवा विवाह - नियोगी
  - पितृसत्तात्मक समाज
  - गाय (अधन्या) - धन का निर्णायक
  - गायों का युद्ध - गविष्टि
- राजनीति
  - ऐच्छिक राजशाही - वंशानुगत
  - सभा - कुछ विशेषाधिकारप्राप्त लोगों का समुदाय
  - समिति - सामान्य लोगों का समुदाय
  - विधाता (Vidatha ) धार्मिक लोगों का समुदाय
  - पुरोहित
  - सेनानी - सेना प्रमुख
  - ग्रामणी - ग्राम प्रधान
  - अधिकारियों की रेकिंग
- धर्म
  - पूजा - प्रकृति , पृथ्वी , इंद्र , अग्नि , सोम , वायु
  - रूद्र - जीवों की पूजा
  - अदिति - देवताओं की माताएँ
  - सावित्री - गायत्री मंत्र रसे समर्पित है
  - कोई पशु पूजा नहीं
- मिट्टी के बर्तनों
  - गेरुआ रंग के मिट्टी के बर्तन





बौद्ध धर्म 2 भाग में बँट गया  
महायान एवं हीनयान



जनपद

उल्लेख

तथ्य

कुल - 16

या तो राजशाही या गणतंत्र (बहुविकल्पीय निर्णय निर्माता)  
गणतंत्र जनपद - कुरू, कंबिजा, वज्जी, मल्ला, असाका

अष्टाधायी - पाणिनी द्वारा

संस्कृत

40 जनपदों का उल्लेख

बौद्ध साहित्य

अंगुत्तरनिकाय 116 (महाजनपद)

दीर्घनिकाय (12 महाजनपद)

जैन साहित्य

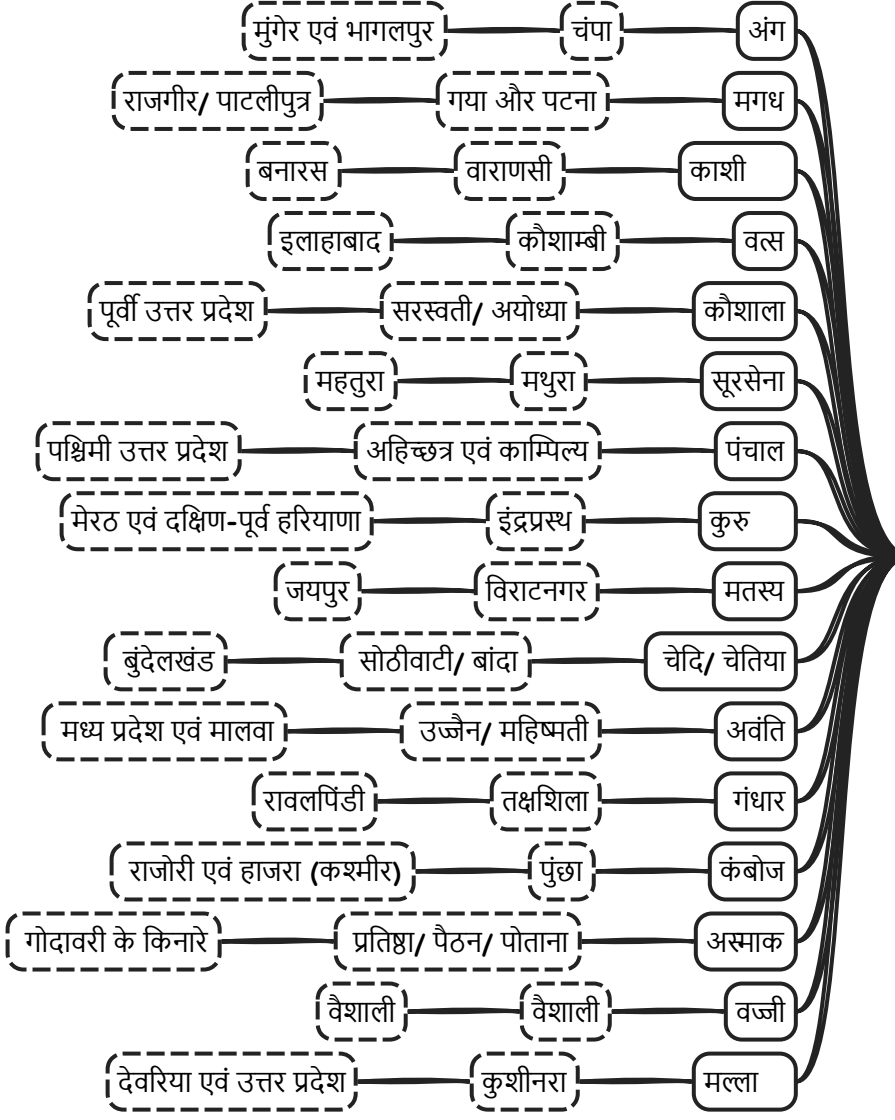
भगवती सूत्र

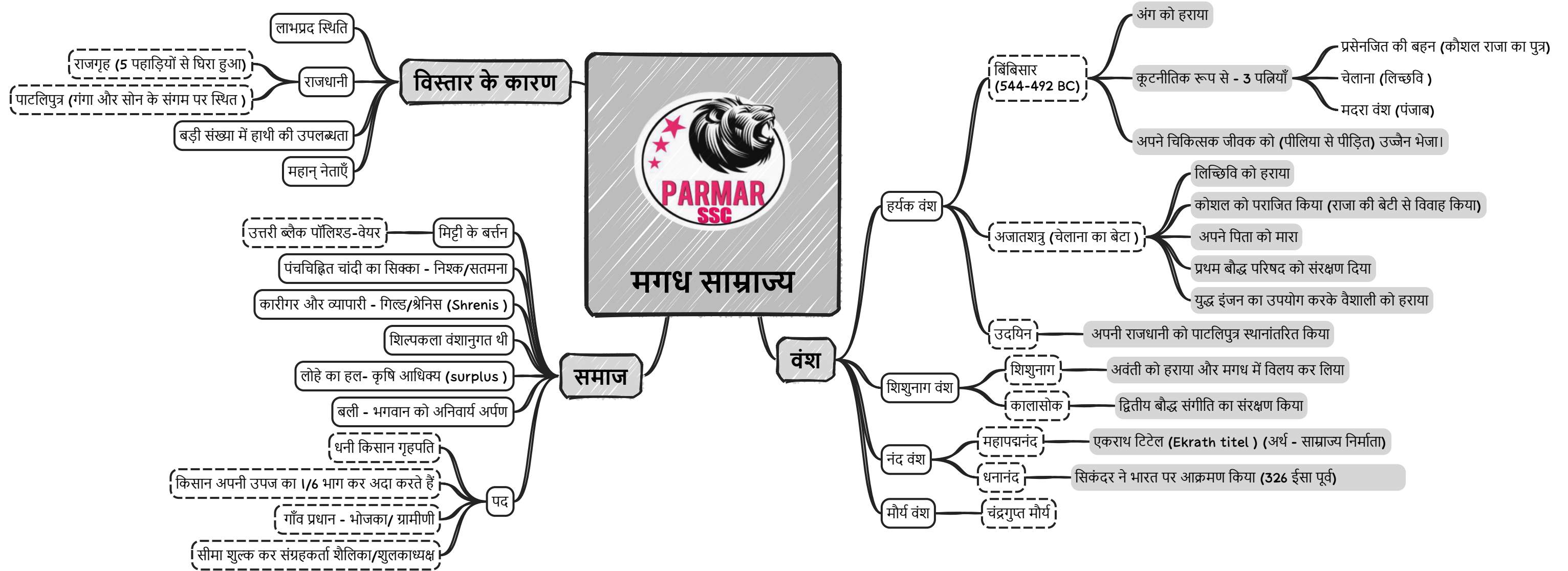
अंग - कर्ण (अंगराज)

वाराणसी - वरुण + अस्सी (नदी)

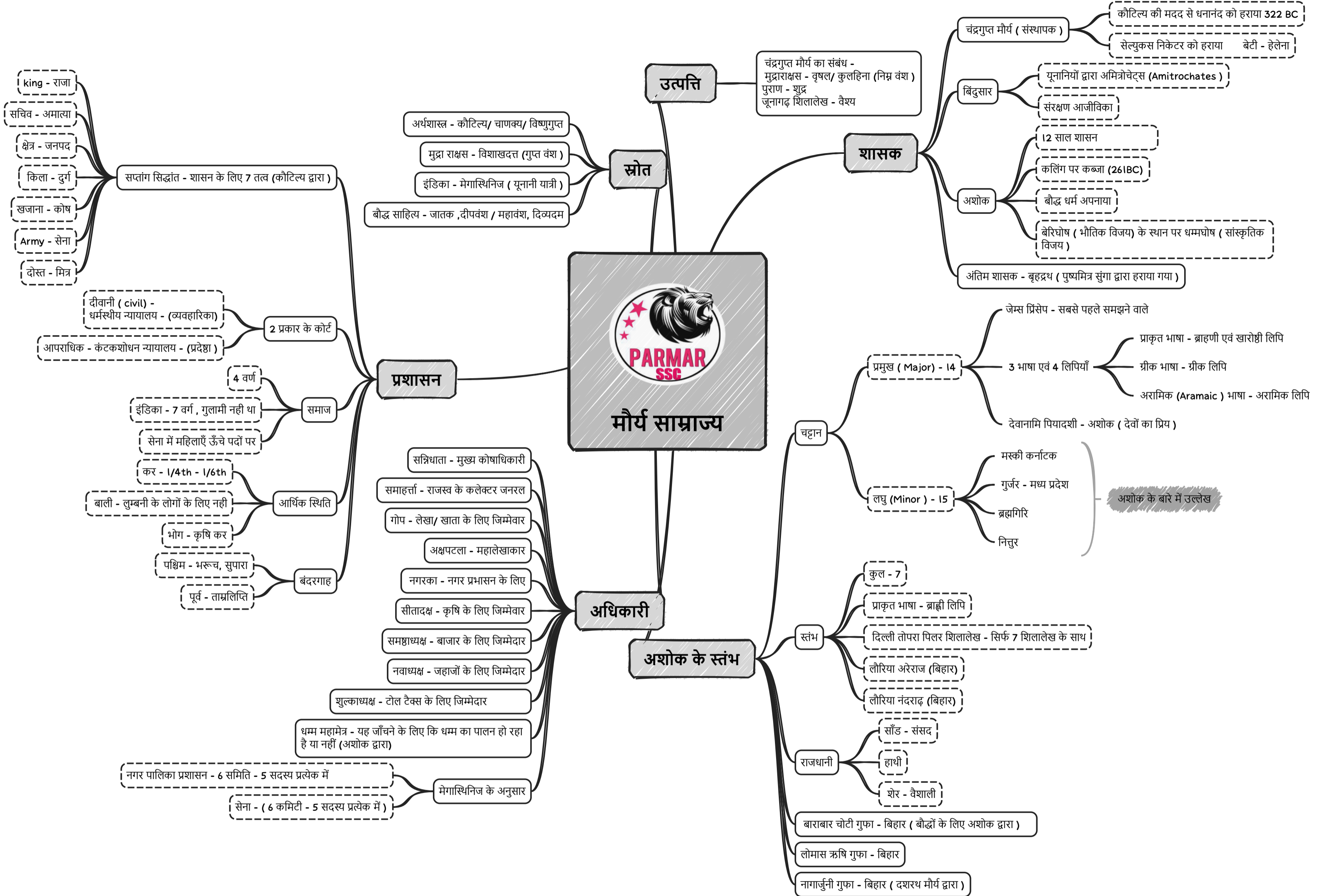
उज्जैन - क्षिप्रा नदी

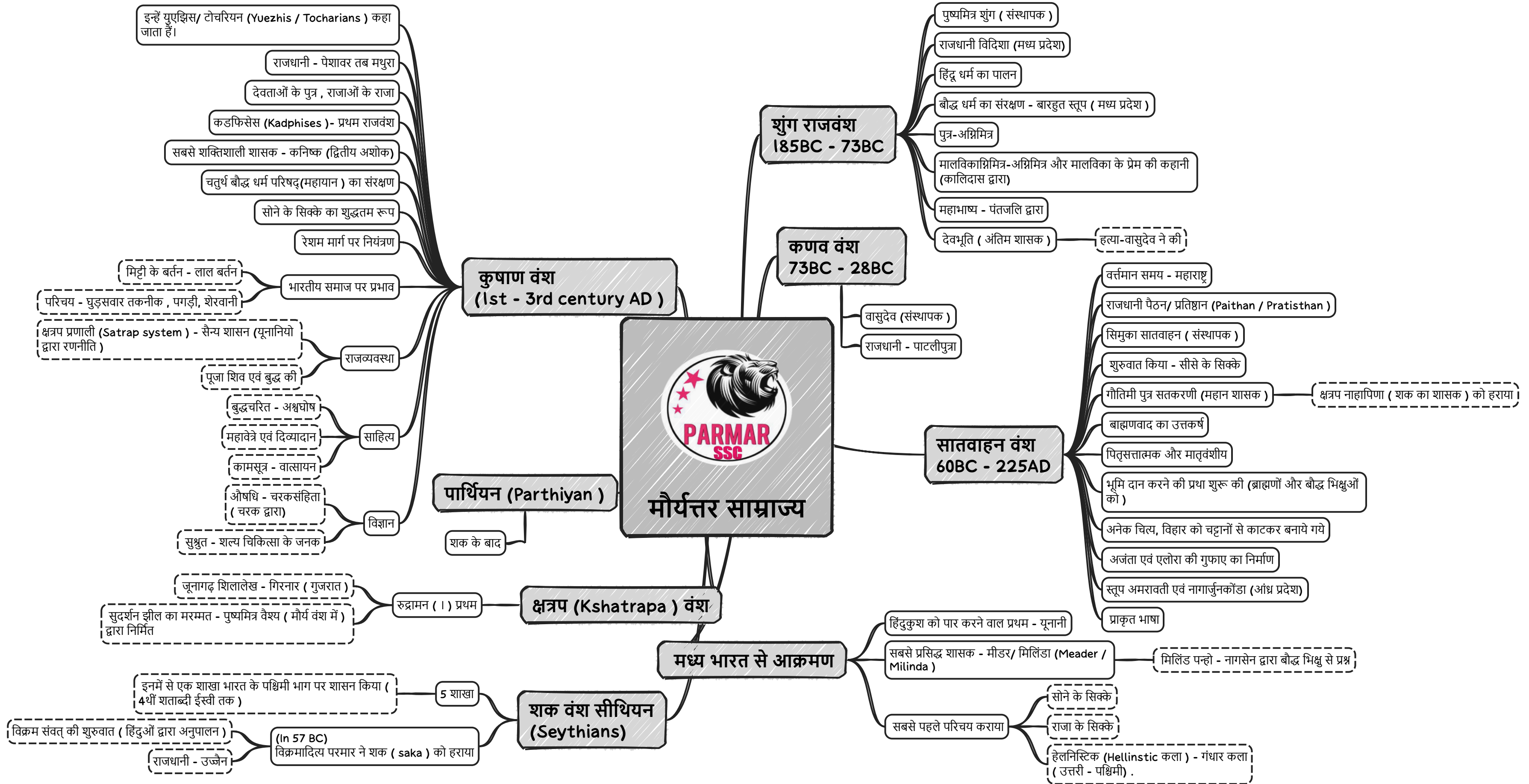
वज्जी - 8 वेशों का संयोजन (जैसे - जनत्रिका, विदेह, लिच्छवि)

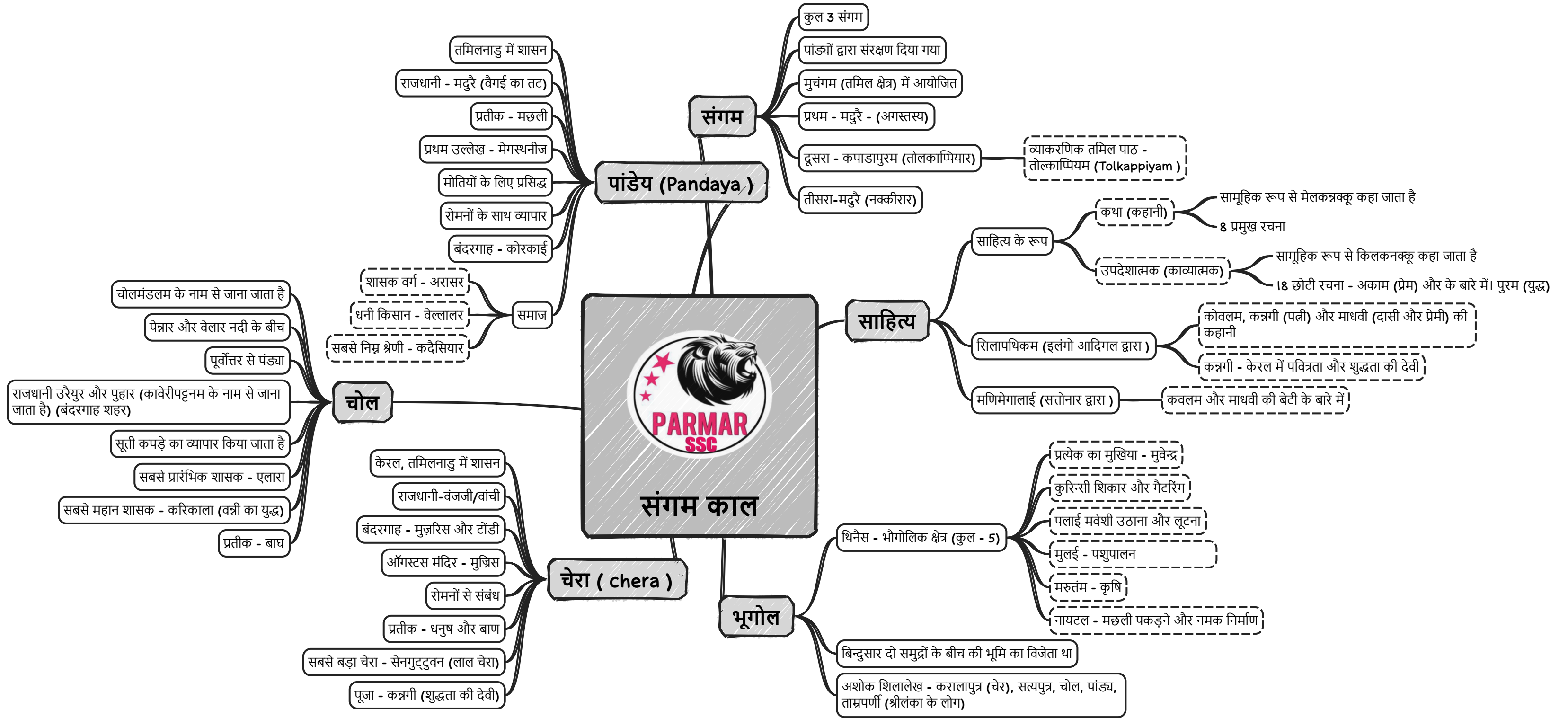


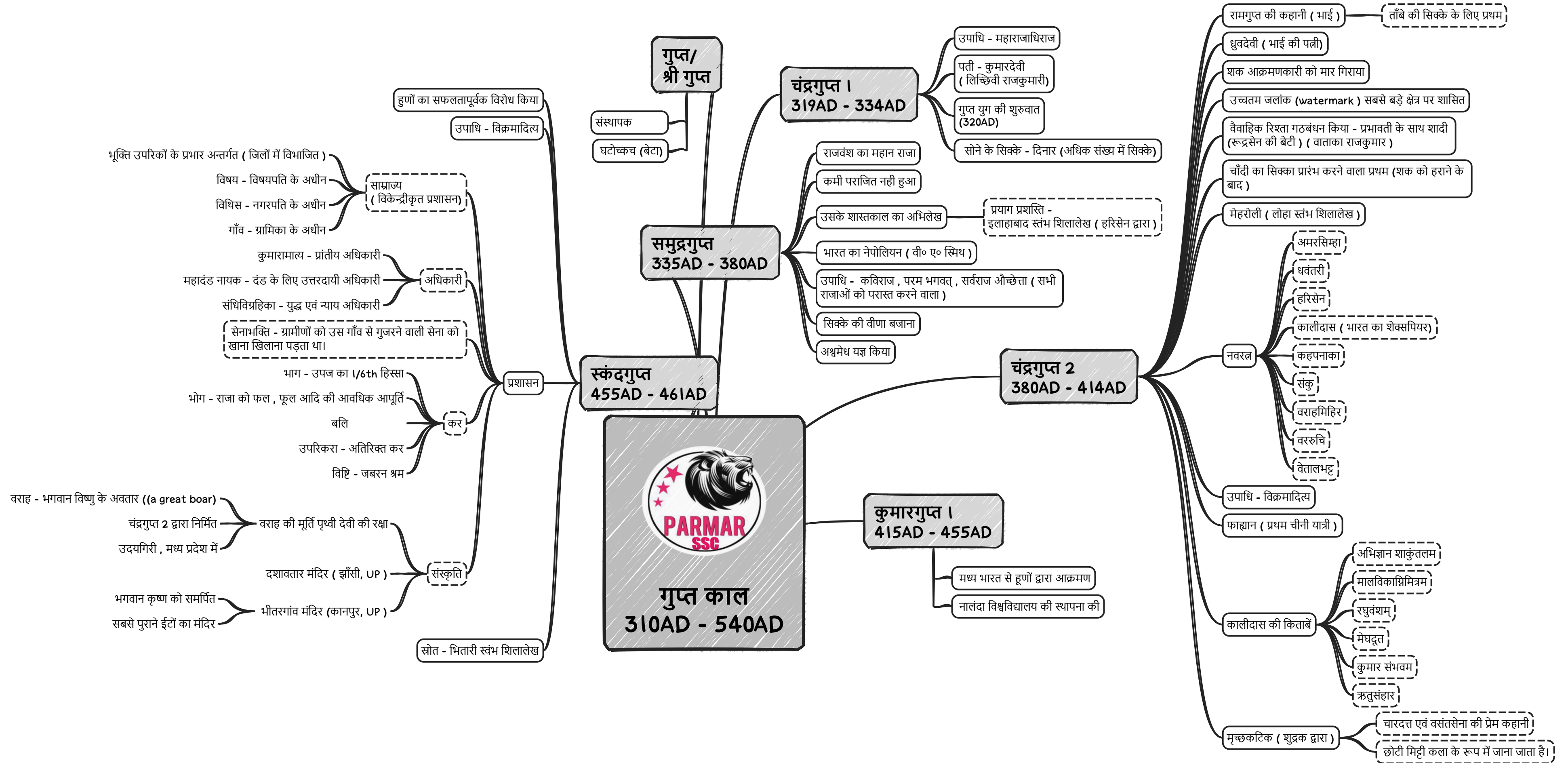


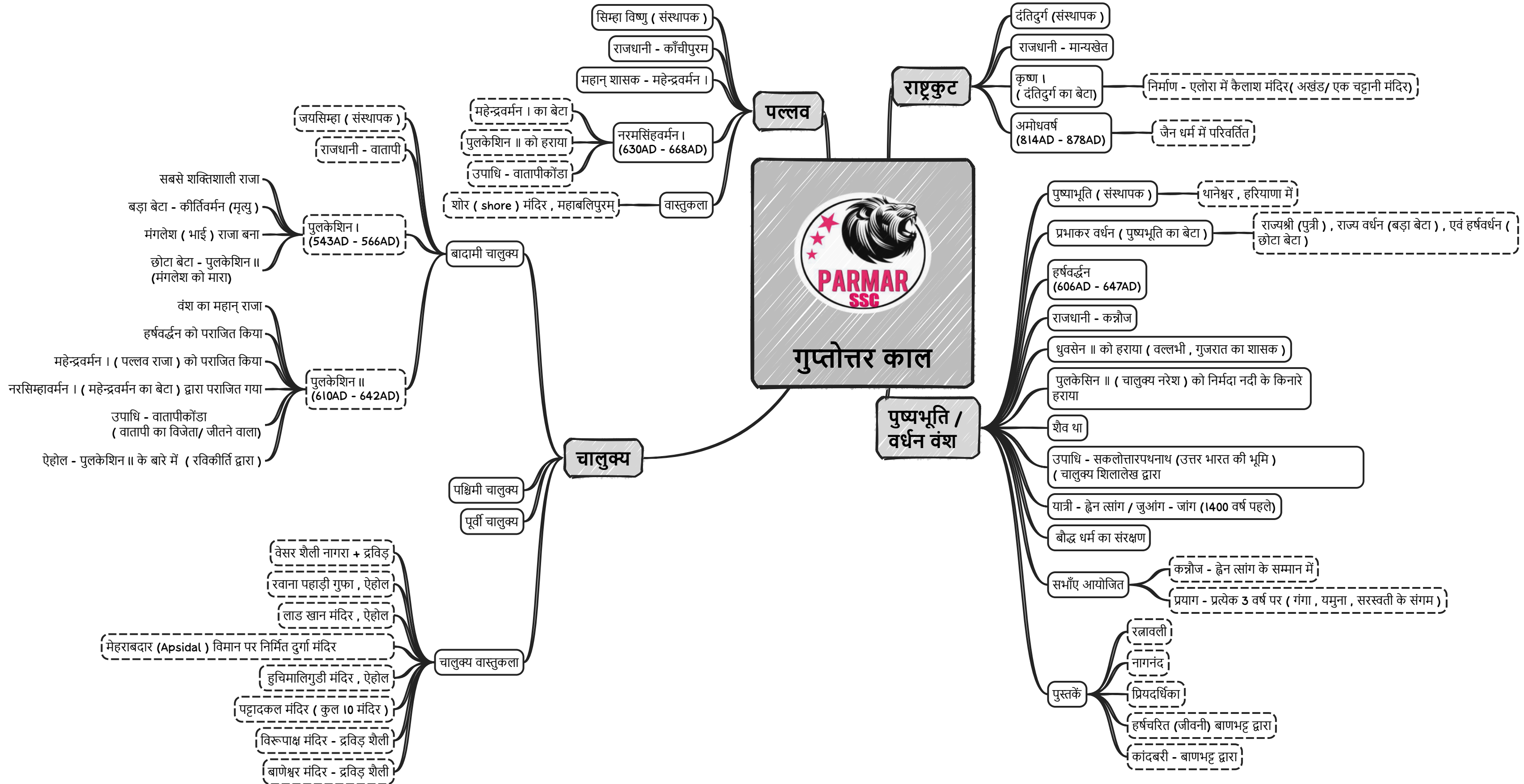


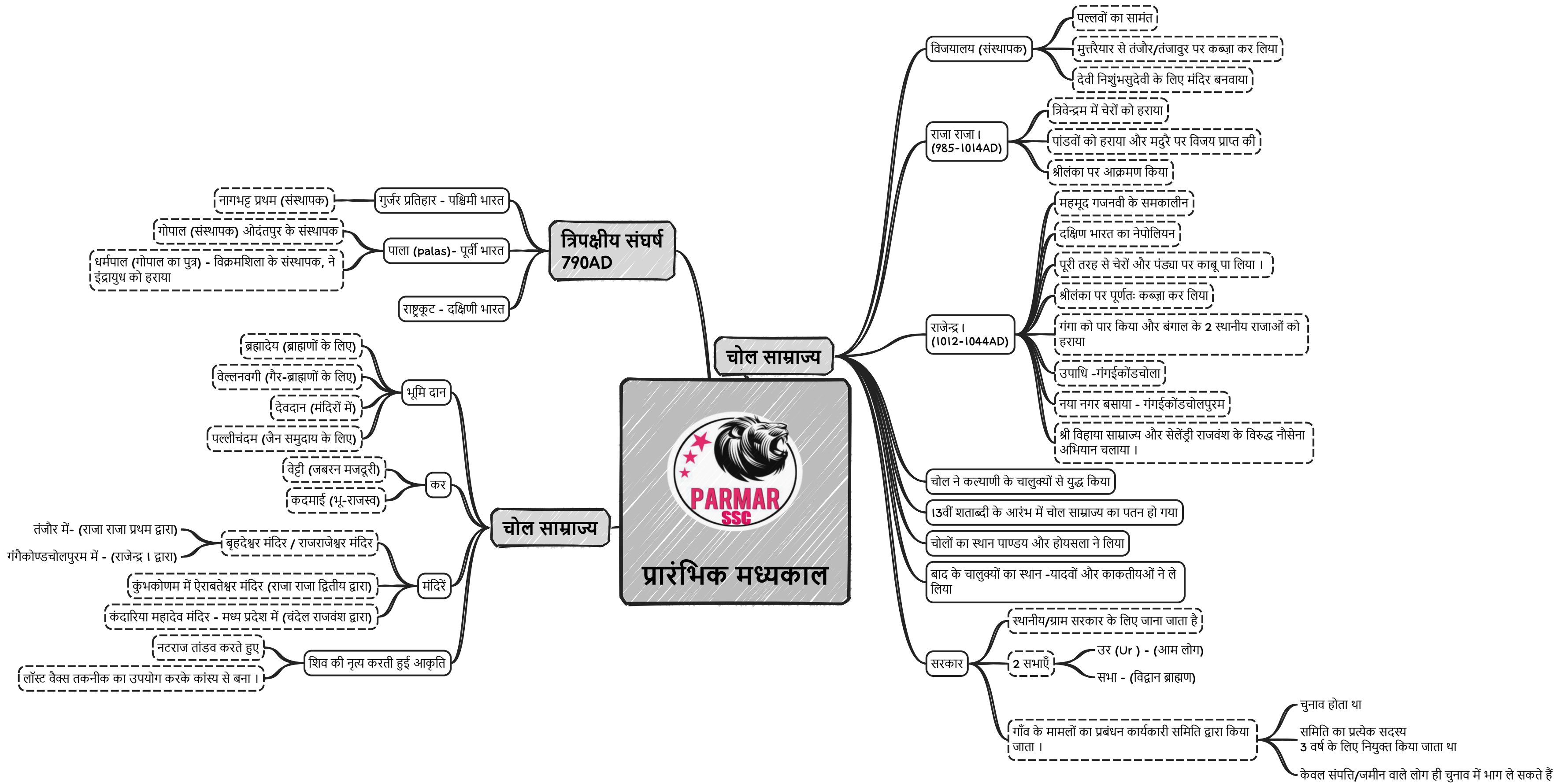


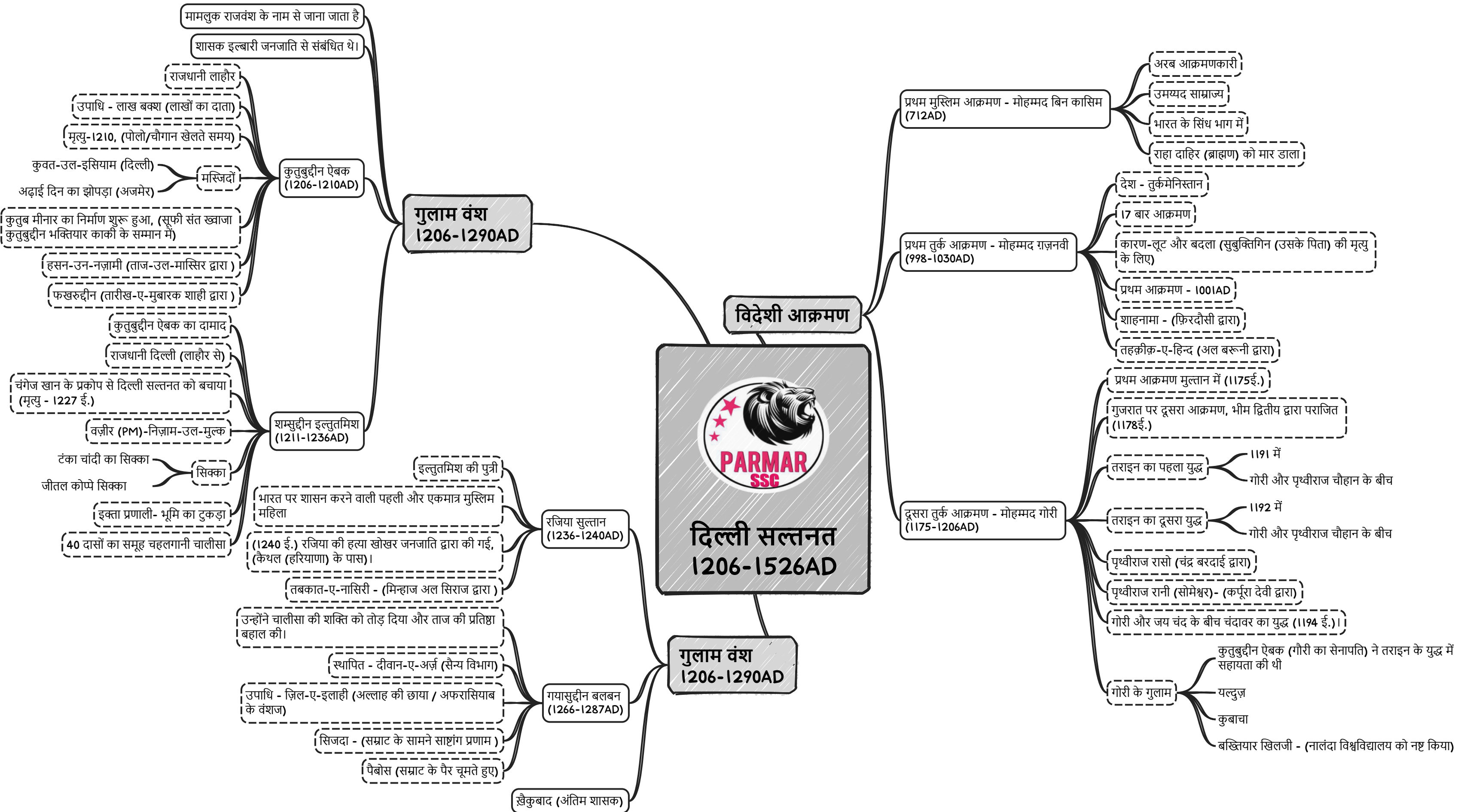














# दिल्ली सल्तनत 1206-1526AD

## लोदी वंश 1451-1526AD

## खिलजी वंश 1290-1320AD

## सैय्यद वंश 1414-1450AD

## तुगलक वंश 1320-1414AD

## केन्द्रीय प्रशासन

- संस्थापक
- वह अफगान सरदार था।
- पंजाब में खुद को स्थापित किया।
- राजधानी दिल्ली से आगरा।
- खेती वाले खेतों को मापने के लिए 32 अंकों का गज-ए-सिकंदरी (सिकंदर का यार्ड)।
- वह एक कवि थे।
- गुलरुखी उपनाम से फ़ारसी में कविताएँ लिखीं।
- मोठ की मस्जिद बनवाई।
- इब्राहिम लोदी (1517-1526AD)
- बाबर के साथ पानीपत का युद्ध लड़ा (1526 में)।

- मुबारक खान - (1316-1320AD)
- खुसरो खान - 1320AD (अंतिम शासक)

- खिलजी वंश के संस्थापक
- जलाउद्दीन का भतीजा
- गुजरात - 1298AD
- रणथंभौर - 1301AD
- मेवाड़ - 1303AD राजधानी - चित्तौड़
- मालवा - 1305AD
- जालोर - 1311AD

- मलिक काफूर (एनच) - अलाउद्दीन की सेना का दक्कन में नेतृत्व किया एवं हराया।
  - राम चंद्र यादव देवगिरी के शासक
  - प्रताप रुद्रदेव-
  - वारंगल के काकतीय शासक
  - वीर बतियाल तृतीय - द्वारसमुद्र का हयासाल शासक
  - मदुरै के वीर पंड्या पांडिया शासक
  - अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद (1316 ई. में) हजारदीनारी ने सिंहासन पर कब्जा कर लिया।

- उपाधि
  - सिकंदर-ए-सैनी (दक्कन अभियान के बाद)।
  - सुल्तान-ए-जहाँ (आमिर खुसरो द्वारा)।

- अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316AD)
  - प्रशासनिक सुधार
    - दाग (घोड़े की ब्रांडिंग)
    - चेहरा (Chehra) (सैनिकों की वर्णनात्मक उपस्थिति)
    - मुस्तखराज - राजस्व एकत्र करना
    - 3 प्रकार का कर लगाया जाता था।
      - खराज - जमीन पर टैक्स
      - घराई - गृह कर
      - चराई - पेस्टोरल टैक्स
      - जकात-अमीर मुसलमानों पर (उन 3 से भिन्न)
      - जजिया - गैर-मुसलमानों को (मो. बिन कासिम द्वारा पहली बार)
    - दिल्ली में 3 बाज़ार स्थापित किये
      - सबसे पहले खाद्यान्न के लिए
      - दूसरा - महंगे कपड़े के लिए
      - तीसरा - घोड़ों, दासों और मवेशियों के लिए
    - शाहना - प्रत्येक बाजार को नियंत्रित करना (व्यापारियों का रजिस्टर बनाए रखना और दुकानदारों और कीमतों को सख्ती से नियंत्रित करना)
    - दीवान-ए-रियासत और शाहना-ए-मंडी चेक बाजार
    - सारा-ए-अदल - बिक्री के लिए सभी सामान इस खुले बाजार में लाए जाते थे।
    - इसके द्वारा निर्माण
      - अलाई किला
      - अलाई दरवाजा - कुतुब मीनार का प्रवेश द्वार
      - हजार सुतुन - हजार खंभों का जगह
      - हौज खास - टंकी
      - अलाउद्दीन का मकबरा - दिल्ली
    - दिल्ली के दूसरे शहर - सिरी की स्थापना की
    - कला और शिक्षा के संरक्षक
    - दरबारी कवि - अमीर खुसरो
      - उपाधि - तूती-ए-हिन्द (भारत का तोता)
      - भारत में कव्वाली की शुरुआत की

- खिज़्र खान (1414-1421AD)
- मुबारक शाह (1421-1434AD)
- मुहम्मद शाह (1434-1443AD)
- आलम शाह (1443-1451AD)

- दीवान-ए-विज़ारत - वित्त विभाग
- दीवान-ए-आरिज़ - सैन्य विभाग
- दीवान-ए-इंशा - पत्राचार विभाग
- दीवान-ए-रिसालत - अपील विभाग
- दीवान-ए-मुस्तखराज - बकाया विभाग (आउद्दीन खिलजी)
- दीवान-ए-रियासत - वाणिज्य विभाग
- दीवान-ए-कोही - कृषि विभाग (मो. बिन तुगलक)
- दीवान-ए-बंदगान - दासों का विभाग
- दीवान-ए-खैरात - दान विभाग (फ़िरोज़ शाह तुगलक)
- दीवान-ए-इस्तियाक - पेंशन विभाग

## गयासुद्दीन तुगलक (1320-1325AD)

## मोहम्मद बिन तुगलक (1325-1351AD)

## फ़िरोज़ शाह तुगलक (1351-1388AD)

## तैमूर आक्रमण (1398ई.)

- खुसरो खां की हत्या गाजी मलिक ने कर दी थी।
- गाजी मलिक ने गियासुद्दीन तुगलक की उपाधि धारण की।
- एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
- उसका पुत्र जौना (उलुग खान)
- मोहम्मद बिन तुगलक की उपाधि से उसका उत्तराधिकारी बना।

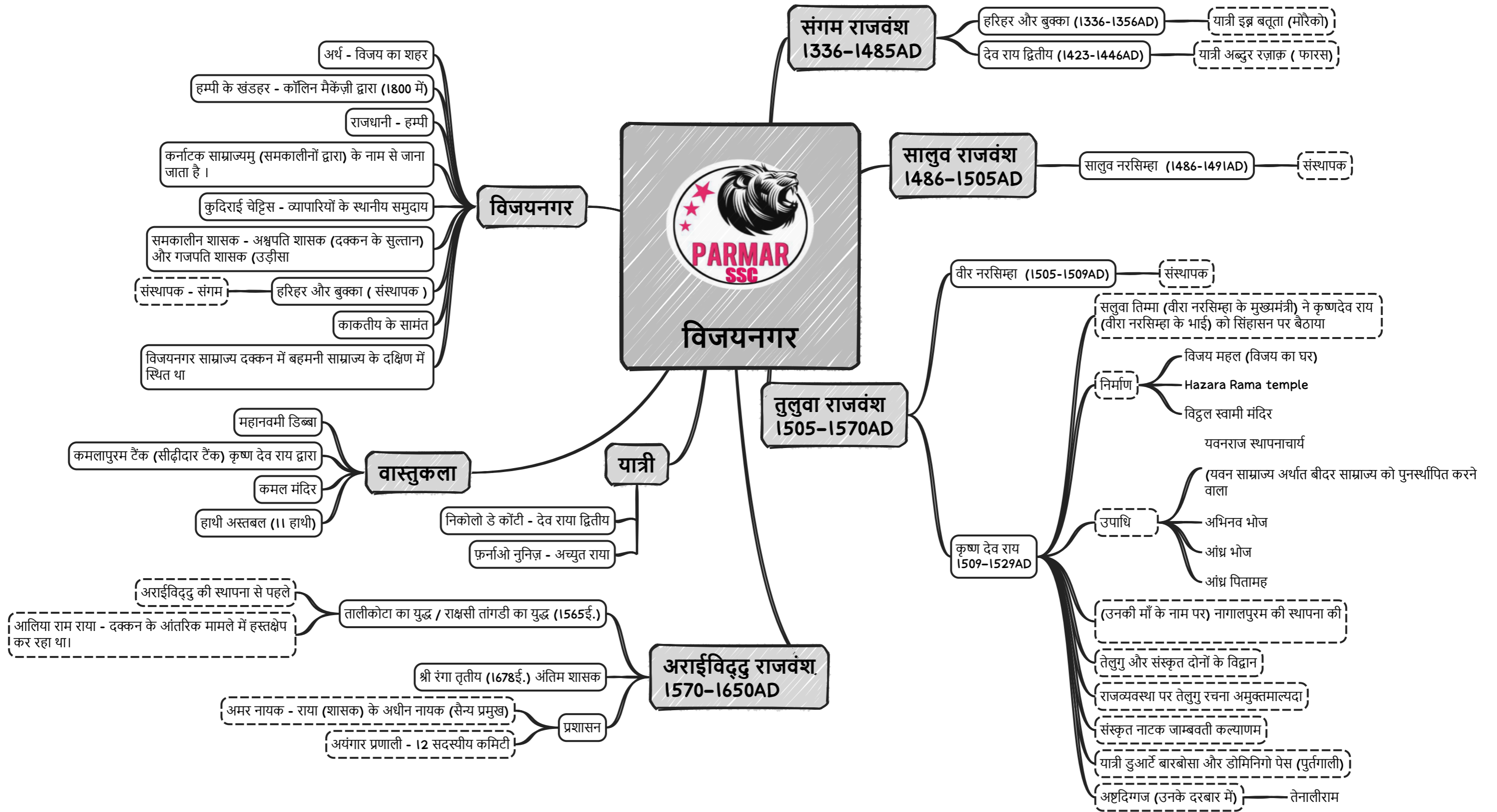
- सबसे लंबा साम्राज्य
- यात्री- इब्र बतूता (मोरक्को से)
- रिहाल (इब्र बतूता द्वारा)
- तारीख-ए-फ़िरोज़ शाही और तारीख- ए- जहाँदारी - (ज़ैउद्दीन बरनी द्वारा)
- सबसे बुद्धिमान मूर्ख के रूप में जाना जाता है।
- दोआब में कराधान (1326 ई.)
- राजधानी - दिल्ली से दोलताबाद (देवगिरि) (1327 ई. में)
- खुरासान अभियान- (1329ई.)
- कराचिल अभियान (1330 ई.)
- सांकेतिक मुद्रा - उच्च मूल्य वाली कांस्य मुद्रा (1329AD)
- वाजेहा सैनिकों, को नकद में नहीं बल्कि गाँवों के भू-राजस्व पर असाइनमेंट द्वारा भुगतान किया जाता था।
- जजिया एक अलग कर बन गया।

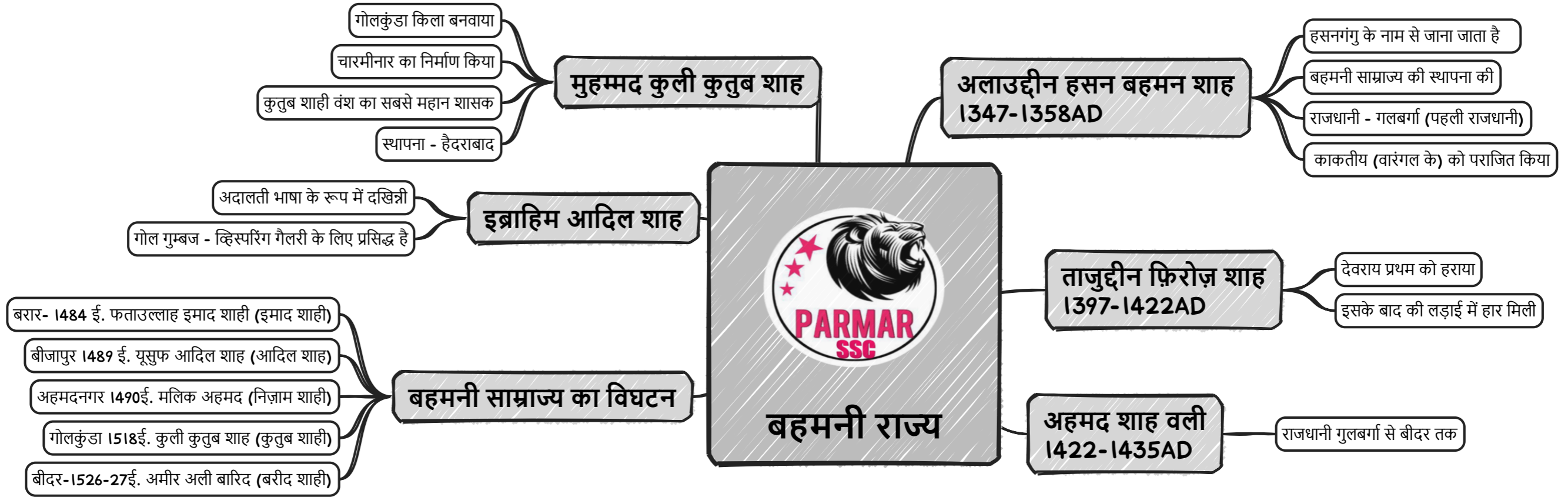
- खराज - भूमि की उपज का 1/10 भाग
- जकात-संपत्ति पर 2% कर।
- जजिया - गैर-मुसलमानों पर लगाया जाता है।
- Khams - 1/5 of the booty captured during war
- कुरान द्वारा 4 प्रकार के कर लगाए गए।

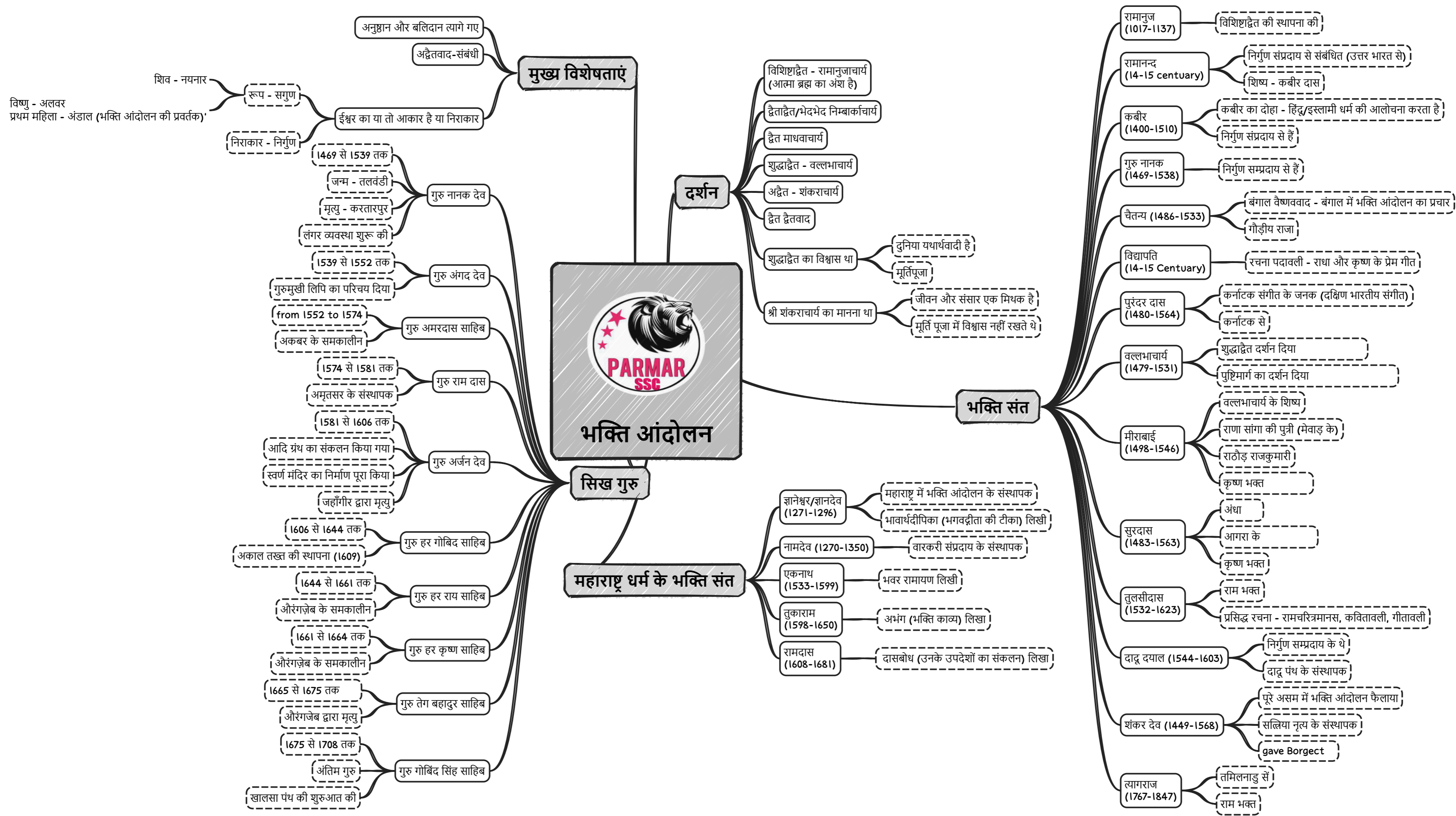
- हक-ए-शर्ब या हासिल-ए- शर्ब लगाया गया - जल कर
- निर्माण - फतेहाबाद, हिसार, जौनपुर और फ़िरोज़ाबाद
- दार-उल-शिफ़ा - दिल्ली में एक अस्पताल
- दीवान-ए-खैरात का नया विभाग - (गरीब लड़कियों की शादी के लिए)
- उनके PM - खान-ए-जहाँ मकबूल
- इक्ता व्यवस्था को वंशानुगत बनाया गया।

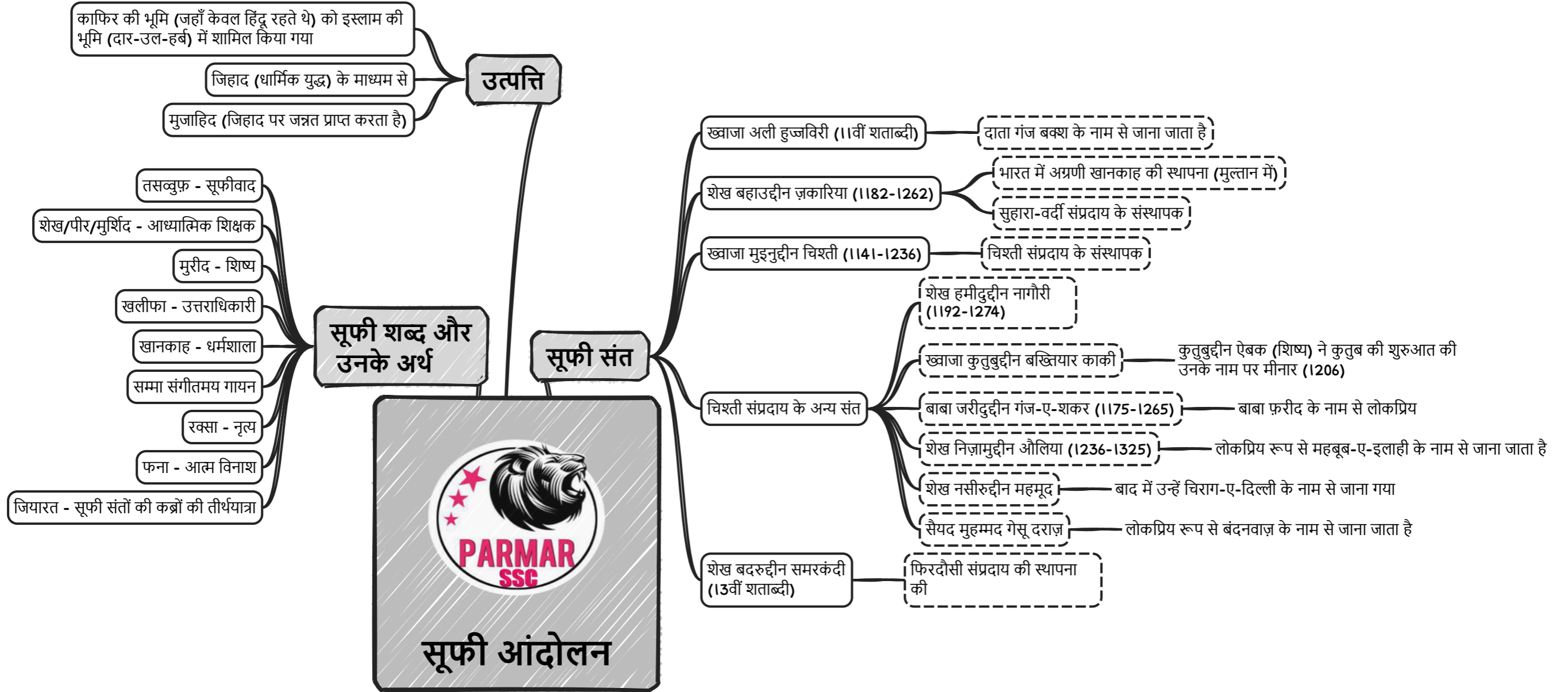
- तैमूर मंगोल था।
- इस दौरान अंतिम शासक था - मुहम्मद शाह तुगलक।













# मुगल साम्राज्य

**बाबर**  
1526-1530

- ज़हीर उद-दीन मुहम्मद (मूल नाम)
- इब्राहिम लोदी को हराया (21 अप्रैल, 1526)
- दौलत खान लोदी ने उन्हें भारत आमंत्रित किया
- अपने आप को उज़्बेक कहते हैं

- युद्धों
  - (1526) - पानीपथ के युद्ध में इब्राहिम लोदी को हराया
  - 1527 - खानवा में मेवाड़ के राणा सांगा को हराया
  - (1528) - चंदेरी के मेदिनी राय को चंदेरी में हराया
  - (1529) घाघरा के युद्ध में अफगानों को हराया

(1530) आगरा में मृत्यु हुई, काबुल में दफनाया गया

- आत्मकथा - तुजुक-ए-बाबुरी (तुर्की में)
  - (फारसी में) अब्दुर रहीम खानेखाना द्वारा अनुवादित, नाम - बाबरनामा
  - मेडम बेवरिज द्वारा अनुवादित (अंग्रेजी में)।

**अकबर**  
1556-1605

- हुमायूँ का ज्येष्ठ पुत्र
- 13 वर्ष की आयु में (कलानौर, पंजाब में) सिंहासन पर बैठा।
- उपाधि जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाह गाजी
- बैरम खान (उनके शिक्षक) को शासक के रूप में नियुक्त किया गया था
- हेमू (पराजित) और बैरम खान के बीच पानीपत की दूसरी लड़ाई (5 नवंबर, 1556)
- अकबर ने जहां भी संभव हो राजपूतों पर जीत हासिल करने की कोशिश की और राजपूत राजाओं को मुगल सेवा में शामिल किया और उनके साथ मुगलों के बराबर व्यवहार किया।
- विवाहित - हरखा बाई (1562 में) (भारमल/बिहारीमल की पुत्री)
- राणा प्रताप सिंह और (उनके पुत्र) अमर सिंह को छोड़कर अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की सर्वोच्चता को मान्यता दी

- राणा प्रताप (मेवाड़ के) और मान सिंह (आमेर के) के नेतृत्व वाली मुगल सेना के बीच
- राणा प्रताप (पराजित)
- लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और संघर्ष जारी रखा
- हल्दीघाटी का युद्ध (1576 में)
- दीन-ए-इलाही (1581 में) नया धर्म

- निर्माण
  - आगरा का किला
  - लाहौर किला
  - इलाहबाद किला
  - हुमायूँ का मकबरा (दिल्ली में)
  - फ़तेहपुर सीकरी (सलीम विश्ती के सम्मान में)
  - बुलंद दरवाज़ा

**अकबर**  
1556-1605

- नवरत्न - (अकबर के नौ रत्न)
  - बीरबल (प्रशासक)
  - अबुल फज़ल (विद्वान और राजनेता)
  - अबुल फज़ल के भाई फ़ैज़ी (विद्वान और राजनेता)।
  - टोडरमल (वित्त मंत्री, दहसाला बंदोबस्त/जब्त)
  - भारमल का पुत्र भगवानदास (मनसबदार)।
  - मान सिंह (मनसबदार) भारमल का पोता
  - घराना - रीवा/ ग्वालियर
  - मूल नाम - रामतनु पांडे
  - शोषक - मिया (अकबर द्वारा)
  - तानसेन (संगीतकार)
  - अब्दुर रहीम खानेखाना (राजनेता, हिन्दी कवि)
  - मुल्ला दो प्याजा
- अकबरनामा - (अबुल फज़ल द्वारा) 3 भाग में
  1. प्रथम अकबर के पूर्वजों के बारे में
  2. अकबर के शासनकाल के बारे में
  3. तीसरी-आइन-ए-अकबरी (अकबर का प्रशासन)
- भू-राजस्व - दहसाला (10 वर्ष अनुमान)
  - पोलज
  - परोटी
  - चाचर
  - बंजर
- जजिया को समाप्त कर दिया
- मृत्यु (1605 में) और सिकंदरा, आगरा में दफनाया गया
- प्रशासन
  - मनसबदारी की शुरुआत - मनसब (रैंक) का निर्धारण जत (सिपाही) के आधार पर किया जाता था।
  - मार्जा अजीज कोका और राजा मान सिंह द्वारा सर्वोच्च रैंक 7000 तक पहुंची
  - नकद (नागदी) और जागीर (भूमि के लिए राजस्व अधिकार) के आधार पर भुगतान

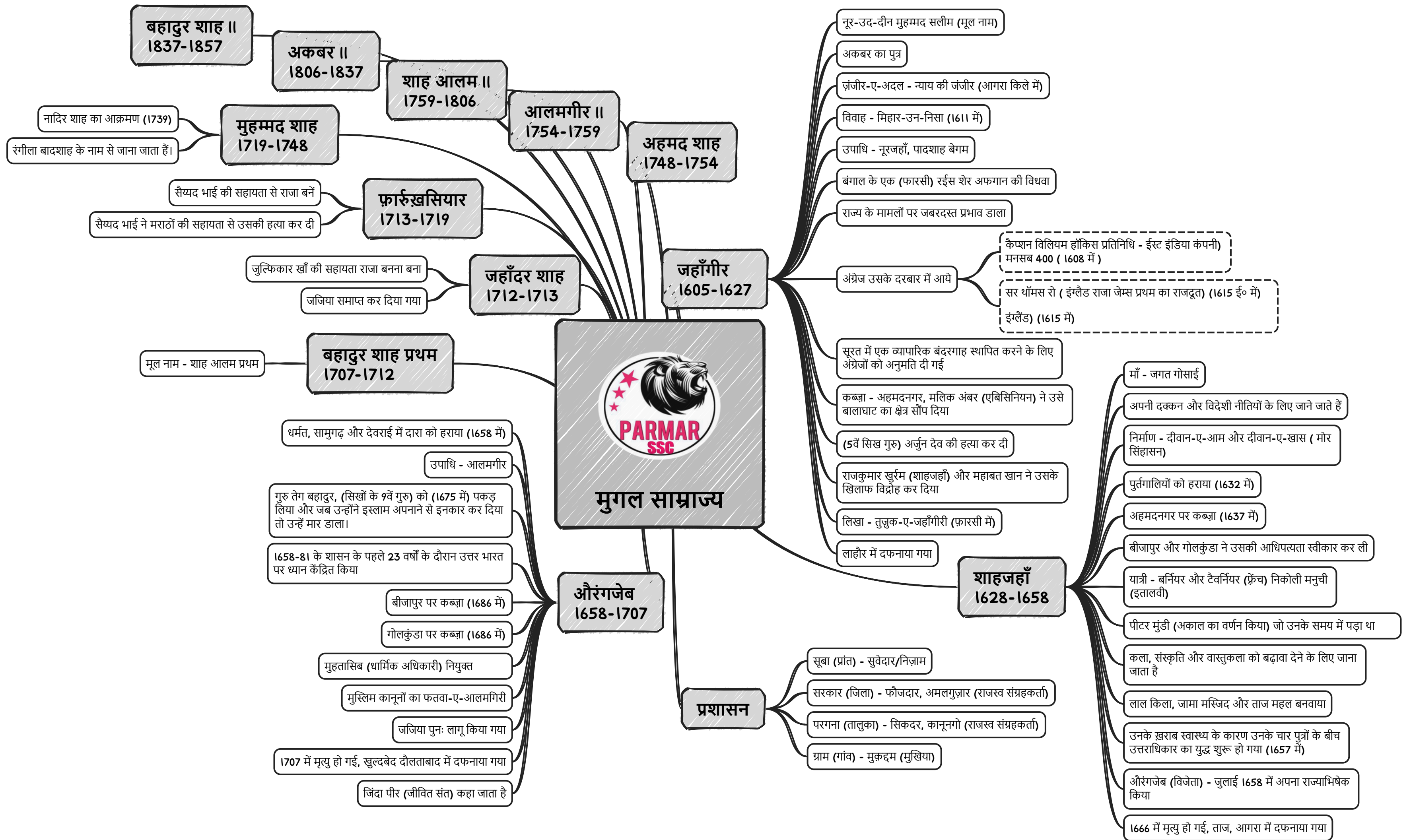
अपना दरबार आगरा से फ़तेहपुर सीकरी में स्थानांतरित कर दिया

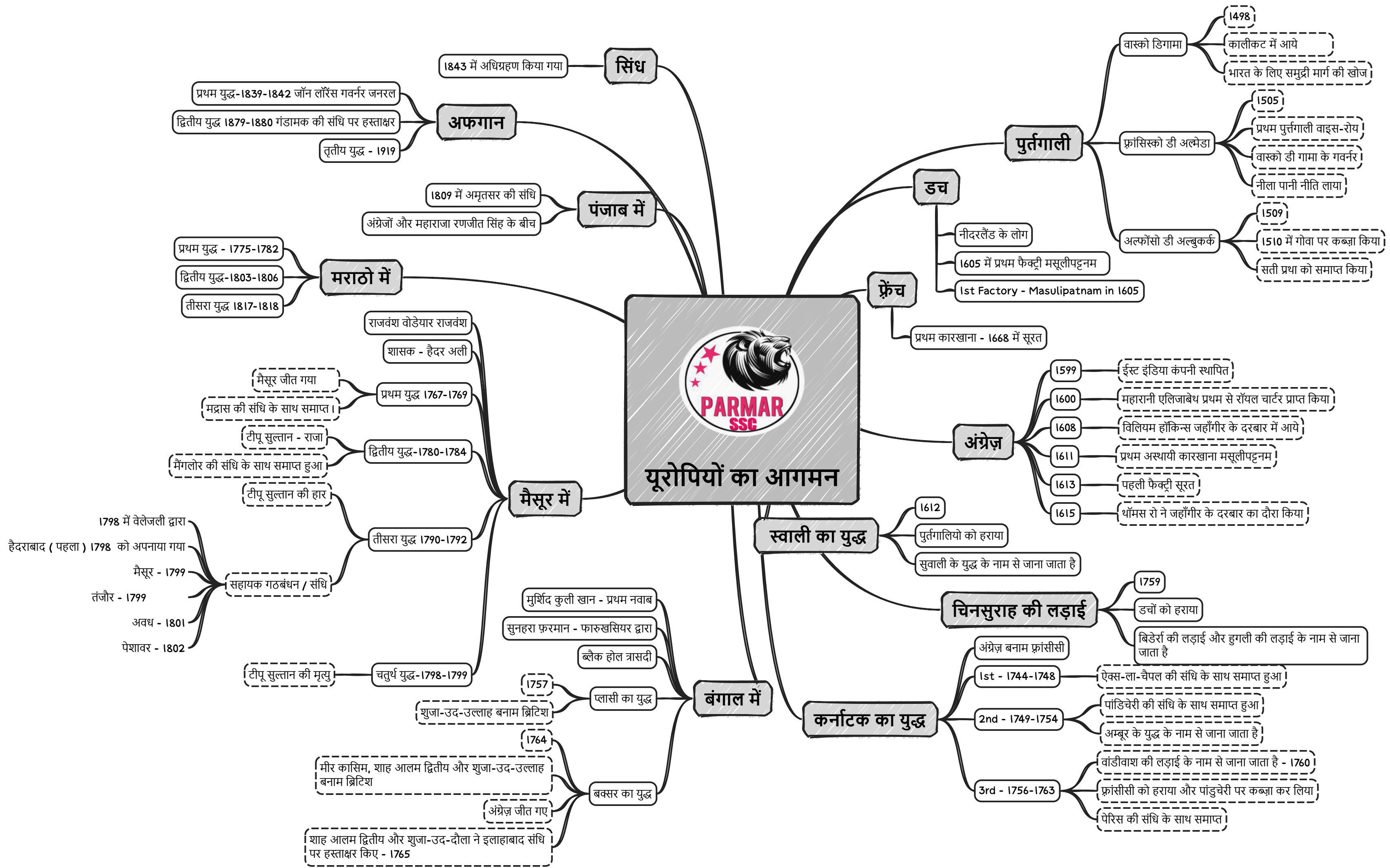
**शेरशाह**  
1540-1545

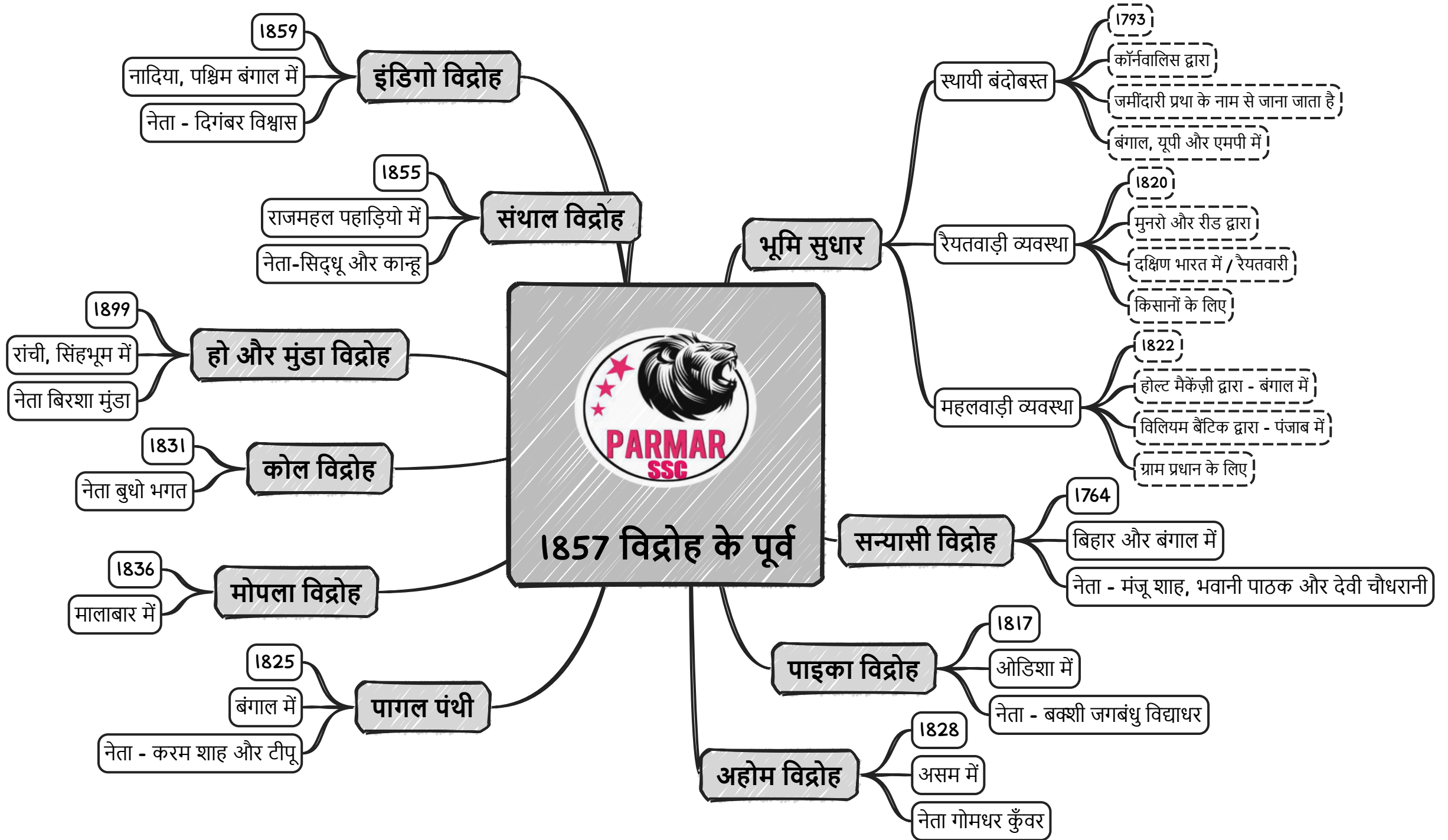
- हसन खान (सासाराम के जागीरदार) के पुत्र
- हुमायूँ को हराने के बाद शेरशाह की उपाधि (1539 में)।
- हुमायूँ को हराने के बाद (1540 में) कन्नौज पर कब्ज़ा कर लिया
- विजय प्राप्त की
  - मालवा (1542)
  - रणथम्भौर (1542)
  - रायसेण (1543)
  - चित्तौड़ (1544)
  - कालींजर (1545)
- कालिंजर पर विजय प्राप्त करते समय (1545 में) मृत्यु हो गई
- सिक्का - रुपया
- पूरे साम्राज्य में मानक बाट और माप तय किये
- निर्माण-ग़ैड टूंक रोड (जी.टी. रोड ) (कलकत्ता से पेशावर )
  - यात्रियों के विश्राम हेतु सराय आश्रय स्थल।
- भूमि की माप की जाती थी और औसत का 1/3 भाग भूमि कर के रूप में तय किया जाता था।
- किसान को एक पट्टा (शीर्षक विलेख) और एक काबुलियत (समझौते का विलेख) दिया जाता, जिससे किसान के अधिकार और कर तय हो जाते
- जमींदार हटा दिये गये और कर सीधे वसूल किये गये

**हुमायूँ**  
1530-40 & 1555-56

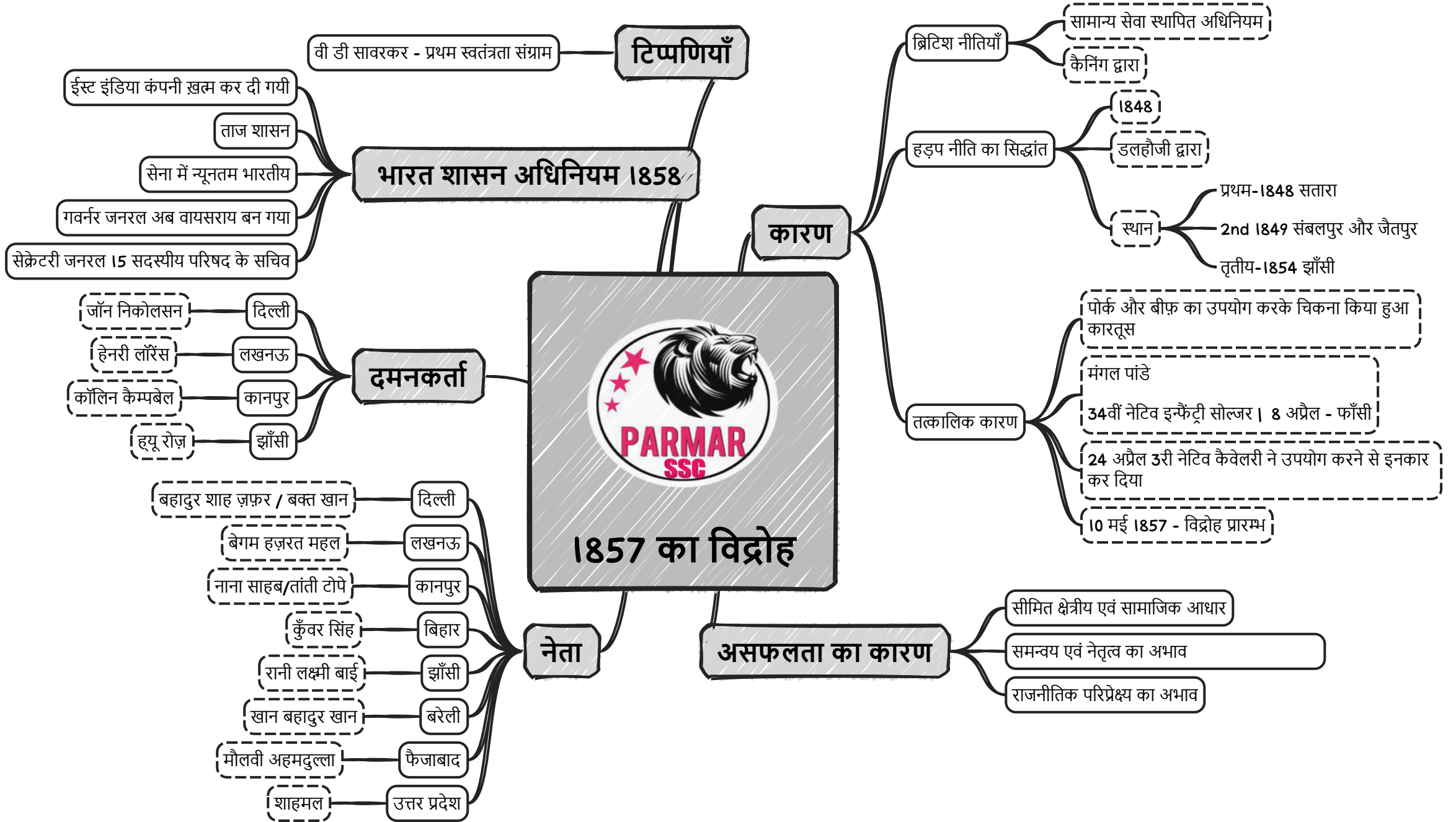
- बाबर का ज्येष्ठ पुत्र
- 1530 में गद्दी पर बैठा
- भाई - कामरान, हिन्दाल, अस्करी
- शेरशाह (अफगानी शासक) के विरुद्ध युद्ध
  - चौसा (1539)
  - कन्नौज/बिलग्राम (1540)
  - शेरशाह ने दोनों युद्ध जीते।
- हुमायूँनामा - गुलबदन बेगम (उनकी बहन) द्वारा उनकी जीवनी
- दीन पनाह (दिल्ली में) को अपनी दूसरी राजधानी बनाया
- शेरशाह की मृत्यु के बाद, पूर्वी भारत पर आक्रमण किया (1555 में) और अफगानों को हराया
- 1556 में मृत्यु (पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिर कर) और दिल्ली में दफनाया गया

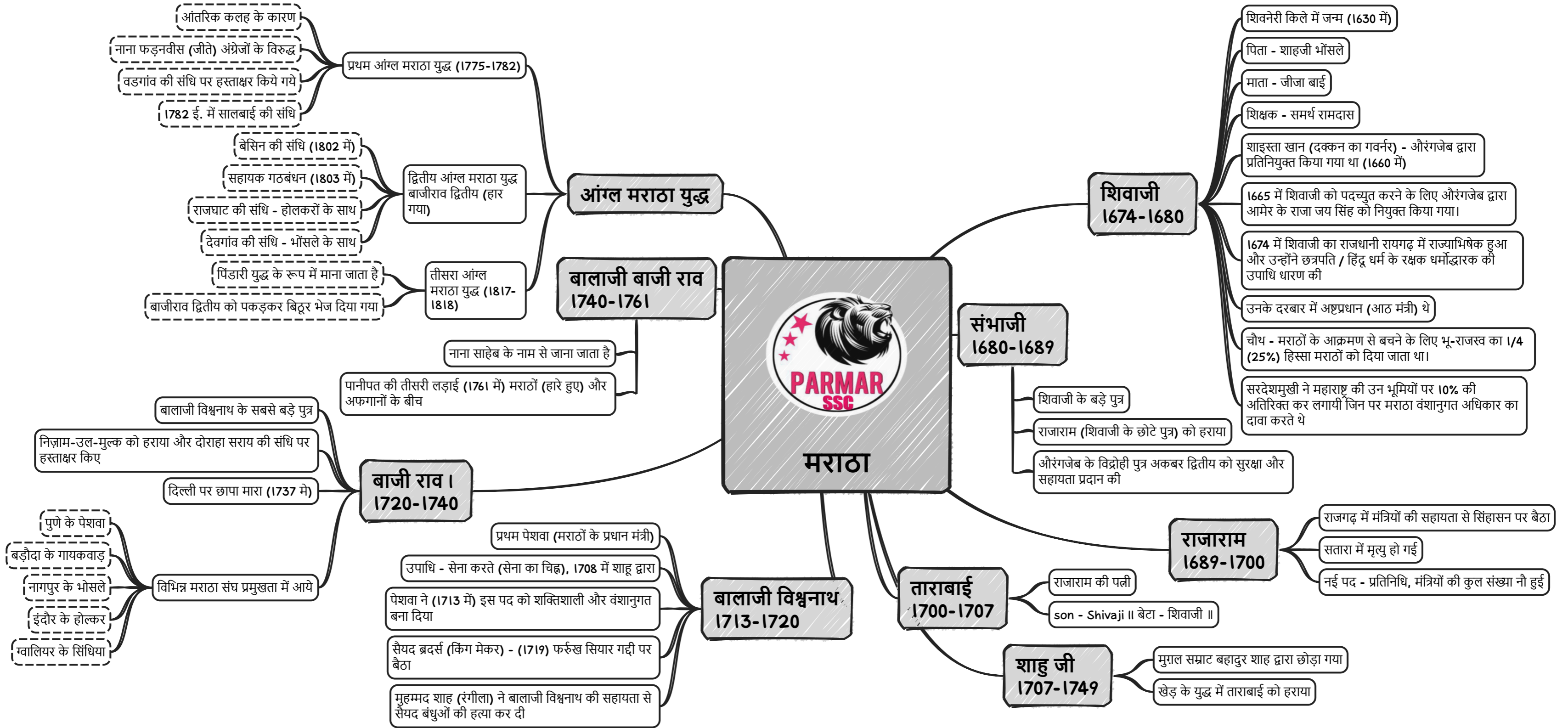


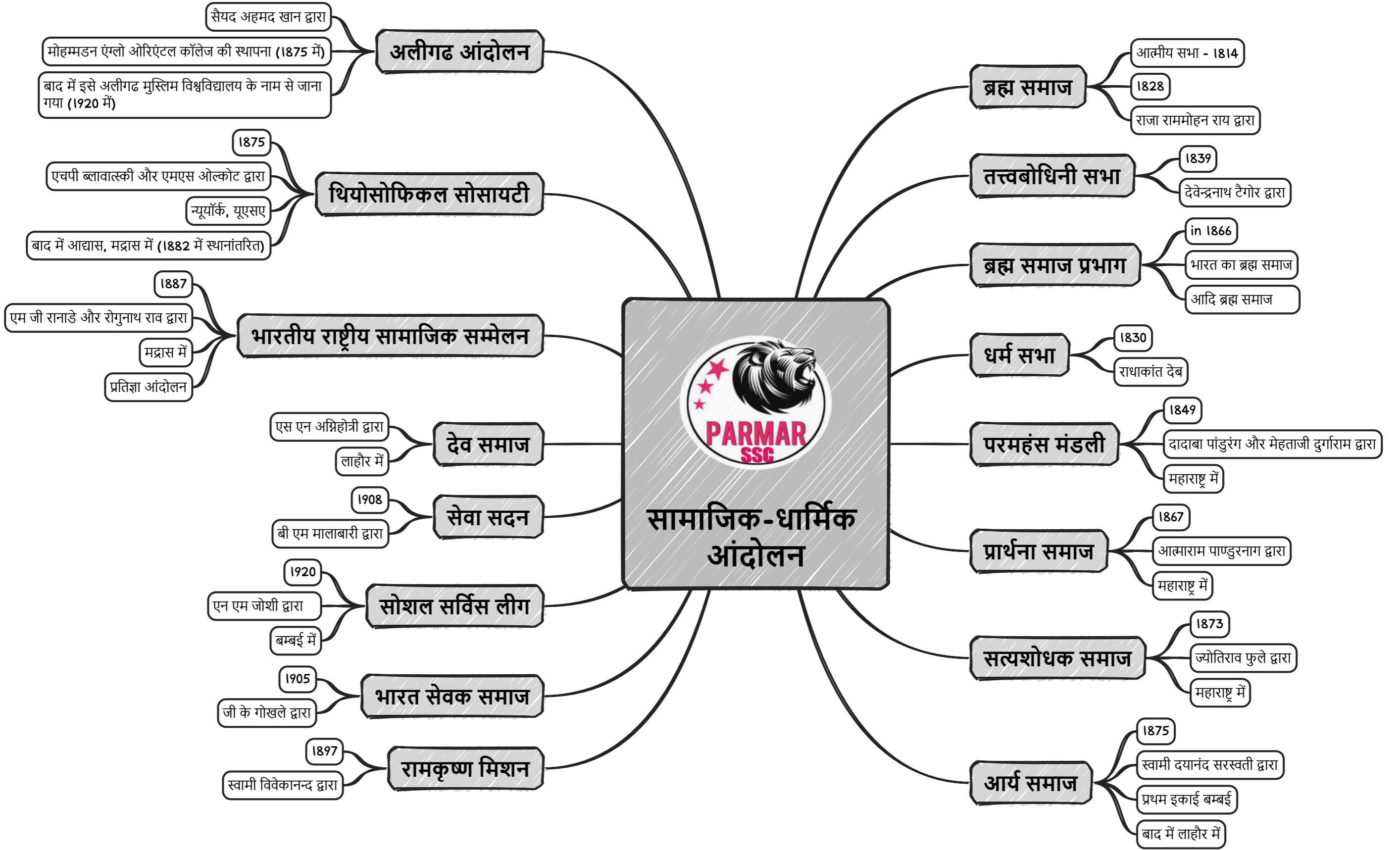


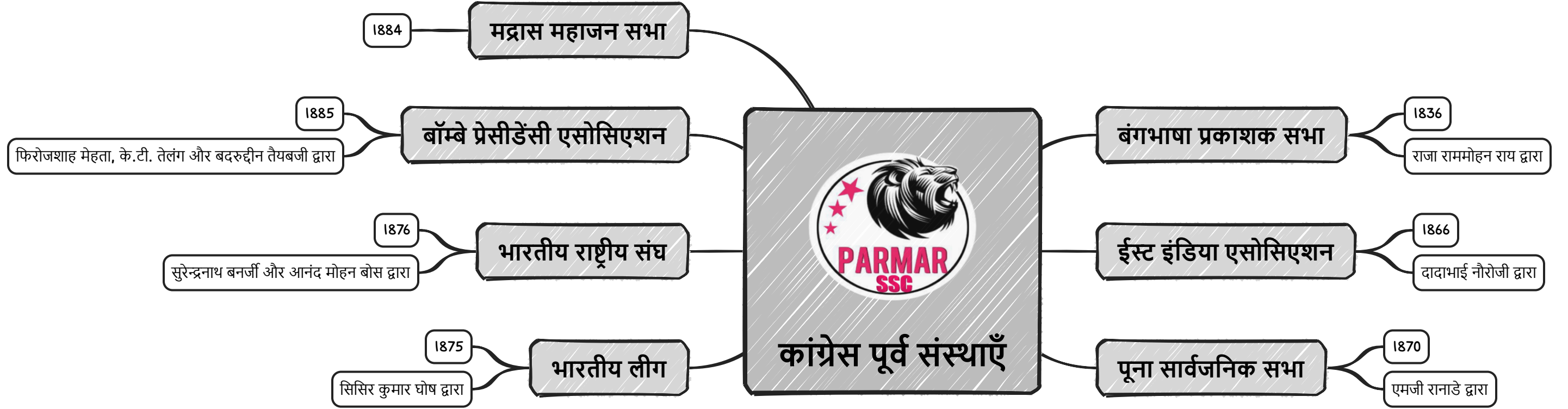














## महत्वपूर्ण सत्र

- डब्ल्यू सी बनर्जी - 1885 - बंबई
- दादाभाई नौरोजी - 1886 - कलकत्ता
- बदरुद्दीन तैयबजी - 1887 - मद्रास
- जॉर्ज यूल - 1888 - इलाहाबाद
- 1896 - कलकत्ता
- 1901 - कलकत्ता
- गोपाल कृष्ण गोखले - 1905 - बनारस
- दादाभाई नौरोजी - 1906 - कलकत्ता
- आर बी घोष - 1907 - सूरत
- 1911 - कलकत्ता
- अंबिका चरण मजूमदार - 1916 - लखनऊ
- एनी बेसेंट - 1917 - कलकत्ता
- महात्मा गाँधी - 1924 - बेलगाम
- सरोजनी नायडू - 1925 - कानपुर
- जवाहर लाल नेहरू - 1929 - लाहौर
- सरदार पटेल - 1931 - कराची
- जवाहर लाल नेहरू - 1937 - फैजपुर
- सुभाष चंद्र बोस - 1938 - हरिपुर
- राजेंद्र प्रसाद - 1939 - त्रिपुरी
- जे बी कृपालानी - 1946 - मेरठ

## गठन

- 1885
- एलन ऑक्टोवियन ह्यूम
- गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय, बम्बई
- 72 प्रतिनिधि

## गवर्नर जनरल

- विलियम बैंटिक - 1828-1835
- मेटकाफ़ - 1835-1836
- डलहौजी - 1848-1856
- मेयो - 1869-1872
- लिटन - 1876-1880
- रिपन - 1880-1884

## विभिन्न सिद्धांत

- सुरक्षा वाल्व सिद्धांत - लाला लाजपत राय
- षड्यंत्र सिद्धांत - आरपी दत्त
- Lightning Conductor Theory - जीके गोखले
- देशद्रोह की फैक्ट्री - डफरिन



### विभाजन की समाप्ति

1912 में राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित हो गई

1911 में हार्डिंग द्वितीय द्वारा दिल्ली दरबार

### कर्ज़न की प्रतिक्रियावादी नीतियाँ

कलकत्ता कापोरेशन अधिनियम - 1899

सरकारी गोपनीयता अधिनियम 1904

भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904

बंगाल विभाजन - 1905

### मॉर्ले-मिंटो सुधार

भारत सरकार अधिनियम 1909

मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र

### बंगाल का विभाजन

कारण प्रशासनिक सुविधा बताया गया

मूल रूप से बंगाल को कमजोर करने के लिए

जुलाई, 1905 को घोषित किया गया

अक्टूबर 1905 को लागू किया गया

### नेता

पूना / बंबाई - बाल गंगाधर तिलक

दिल्ली - सैयद हैदर रज़ा

मद्रास - चिदम्बरम पिल्लई

पंजाब - लाला लाजपत राँय

### 1905 बनारस अधिवेशन

जी के गोखले द्वारा

### 1907-सूरत अधिवेशन

रास बिहारी घोष द्वारा

उग्रवादी और नरमपंथी में विभाजित

### 1906 कलकत्ता अधिवेशन

दादाभाई नौरोजी द्वारा

4 संकल्प - स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार एवं राष्ट्रीय शिक्षा

## बंगाल विभाजन



1879

रामोसी किसान बल महाराष्ट्र में

1890

शिवाजी और गणपति उत्सव

1897

चापेकर भाई ने रैंड प्लेग आयुक्त को मार डाला

1899

मित्र मेला पूना में सावरकर ब्रदर्स द्वारा

1902

अनुशीलन समिति बंगाल में सतीश चन्द्र बशु द्वारा

1904

मित्र मेला का अभिनव भारत सोसाइटी में विलय हुआ

1905

इंडियन होम रूल सोसायटी श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा

1906

मुस्लिम लीग ढाका, बांग्लादेश में ख्वाजा सलीमुल्लाह द्वारा

1907

मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में भारतीय ध्वज फहराया

1916

होम रूल लीग प्रथम - बाल गंगाधर तिलक द्वितीय एनी बेसेंट

लखनऊ सत्र अंबिका चरण मजूमदार द्वारा

1915

बर्लिन समिति वीरेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय द्वारा

भारत रक्षा अधिनियम

1914

कोमागाटा मारू घटना जापान/हांगकांग/सिंगापुर से कनाडा के लिए रवाना हुआ

प्रथम विश्व युद्ध प्रारम्भ हुआ

1913

गदर पार्टी लाला हरदयाल, सोकन सिंह भकना, बरकतुल्लाह और परमानंद सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में

1909

मदन लाल ढींगरा ने कर्जन वायली की हत्या कर दी

1908

अलीपुर बम षडयंत्र प्रफुल्ल चाके, खुदीराम बोस, कनाईलाल दत्ता, अरबिंदो घोष



## गांधी जी का प्रादुर्भाव

2 Oct. 1869

जन्म पोरबंदर, गुजरात

1915

9 जनवरी - भारत वापस

1917

चंपारण सत्याग्रह  
राजकुमार शुक्ल ने उन्हें तिनकठिया प्रणाली के खिलाफ आमंत्रित किया

1918

अहमदाबाद मिल हड़ताल अनसूया साराभाई ने उन्हें आमंत्रित किया

खेड़ा सत्याग्रह  
सरदार पटेल से मुलाकात हुई

1922

चौरी चौड़ा कांड

असहयोग आन्दोलन स्थगित

1920

असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया  
जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ  
(13 अप्रैल 1919 में)

खिलाफत आंदोलन

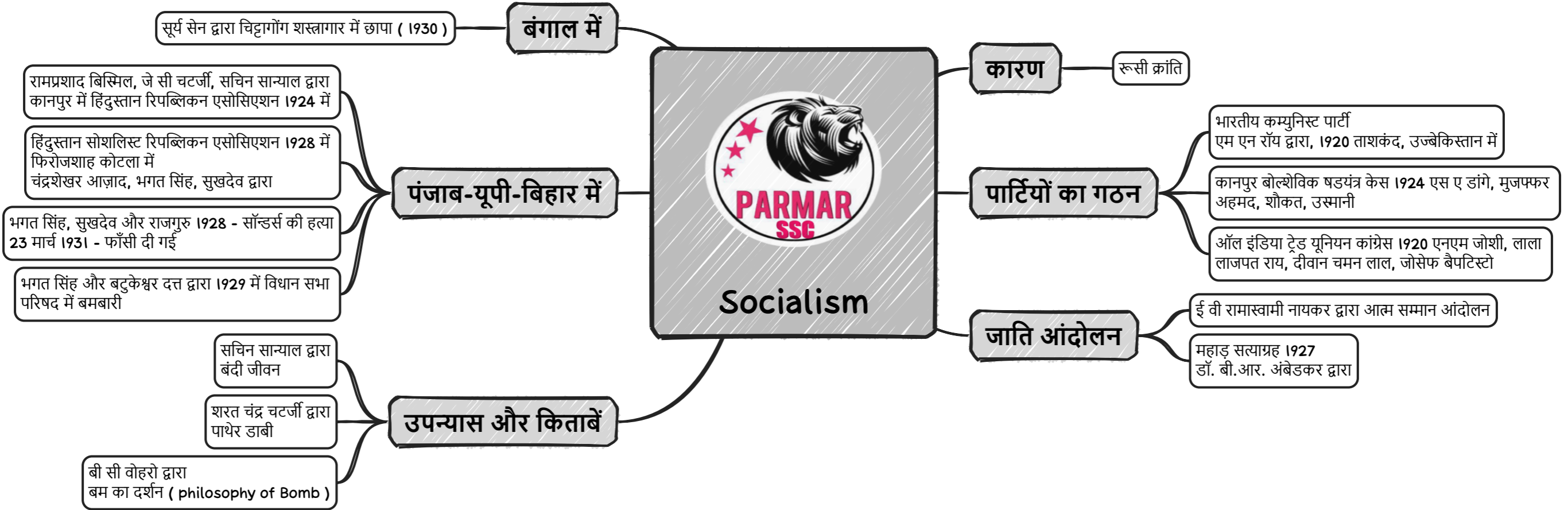
1919

रौलेट एक्ट के खिलाफ रौलेट सत्याग्रह

Gol Act 1919

मोंटागु-चेम्सफोर्ड सुधार







# सविनय अवज्ञा आंदोलन

## गोलमेज़ सम्मेलन

- लंदन में
- 1st - 1930
- 2nd - 1931  
गांधीजी ने भाग लिया
- 3rd - 1932

बीआर अंबेडकर ने सभी में भाग लिया

## 1951 कराची अधिवेशन

- by Sardar Patel
- भाग लिया
- 2nd RTC
- CDM निलंबित
- पूर्ण स्वराज का अर्थ समझाया गया
- 2 संकल्प
  - मौलिक अधिकार
  - राष्ट्रीय आर्थिक नीति

## गांधी इरविन समझौता

- 14 Feb. 1931
- इरविन की मांग

CDM निलंबित  
2nd RTC में भाग लें

## नेता

- सी राजगोपालाचारी - तमिलनाडु
- के के लप्पन - मालाबार
- गोपालबन्धु चौधरी - ओडिशा
- अंबुकाकांत सिन्हा - बिहार
- खान अब्दुल गफ्फार खान - पेशावर
- सरोजनी नायडू - धरसना
- रानी गाइदिन्ल्यू - मणिपुर और नागालैंड

## साइमन कमीशन

- 1927 - जॉन साइमन द्वारा
- 1928 - 7 सदस्यीय आयोग भारत आया, जिसमें सभी श्वेत थे, कोई भारतीय नहीं
- प्रतिक्रिया
  - मोतीलाल नेहरू के अधीन नेहरू रिपोर्ट, 1928
  - दिल्ली प्रस्ताव मुस्लिम लीग द्वारा
  - जिन्ना द्वारा 14 Point
  - दिल्ली घोषणापत्र कांग्रेस द्वारा

## 1929 लाहौर अधिवेशन

- जवाहरलाल नेहरू द्वारा
- प्रथम RTC का बहिष्कार करें
- लक्ष्य - पूर्ण स्वराज
- 26 जनवरी 1930 - प्रथम स्वतंत्रता दिवस
- 31 दिसंबर 1930 - रावी के तट पर झंडा फहराया गया
- CDM प्रारंभ

## दांडी मार्च

- प्रारंभ 12 मार्च 1930
- अंत 4 अप्रैल 1930
- साबरमती से दांडी तक (240 मील)
- नमक कानून तोड़ने के लिए 78 प्रतिनिधि
- 4 मई - गांधीजी जेल में
- विस्तार
  - रैयतवारी में राजस्व का कोई भुगतान नहीं।
  - जमींदारी में कोई चौकीदार टैक्स नहीं।
  - मध्य प्रांत में वन कानूनों की अवहेलना।



# भारत छोड़ो आंदोलन

## कैबिनेट मिशन योजना

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लेमेंट एटली द्वारा
- 3 सदस्यीय स्टेफार्ड क्रिप्स, एवी अलेक्जेंडर और पैथिक लॉरेंस
- डायरेक्ट एक्शन डे 16 अगस्त 1946 जिन्ना द्वारा

- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947
- माउंटबेटन द्वारा
- माउंटबेटन योजना/ विभाजन योजना के नाम से जाना जाता है

## कम्युनल अवॉर्ड

- 1932
- रामसे मॉकडोनाल्ड द्वारा
- दलित वर्गों वर्गों के लिए अलग इलेक्टोलेट

## पूना पैक्ट

- 1932
- अम्बेडकर और गांधीजी के बीच / मदन मोहन मालवीय
- पूना की यरवदा जेल में

## भारत सरकार अधिनियम 1935

- प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया गया
- केंद्र में द्वैध शासन लागू किया
- 11 प्रांतों में से 6 द्विसदनीय विधानमंडल

## भारतीय राष्ट्रीय सेना

- 1942 में सिंगापुर में मोहन सिंह द्वारा
- 1943 में अगले नेता एस सी बोस
- महिला रेजिमेंट का नाम रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर रखा गया
- 15 अगस्त जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया

## भारत छोड़ो आंदोलन

- 1942
- पहले दिन सभी नेता गिरफ्तार
- नेतृत्वहीन आंदोलन
- CWC की अध्यक्ष अरुणा आसफ अली
- समानांतर सरकार
- बलिया चित्तू पांडे
- तमलुक जातीय सरकार
- सतारा प्रति सरकार

## क्रिप्स मिशन

- स्टैफोर्ड क्रिप्स द्वारा
- डोमिनियन स्टेटस खारिज कर दिया गया

## अगस्त प्रस्ताव

- 1940
- डोमिनियन स्टेटस खारिज कर दिया गया
- व्यक्तिगत सत्याग्रह
- गांधीजी द्वारा
- 1st - विनोबा भावे
- 2nd - जेएल नेहरू

## कांग्रेस अधिवेशन

- 1936 लखनऊ
- अखिल भारतीय किसान सभा 1936 : सहजानंद सरस्वती द्वारा
- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी - जेपी नारायण, राममनोहा एएन देव और मीनू महानी द्वारा
- 1937-फैजपुर
- held in Village
- 1938-हरिपुरा, गुजरात
- By S C Bose
- राष्ट्रीय योजना कमिटी 1938
- 1939-त्रिपुरी, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- पट्टाभिषीतारमैया VS सुभाष चन्द्र बोस
- सुभाष चन्द्र बोस जीते
- सुभाष चन्द्र बोस का इस्तीफा
- सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 1939 में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना
- कांग्रेस ने लिनलिथगो वायसराय को प्रस्ताव दिया
- संविधान सभा
- जिम्मेदार सरकार
- अक्टूबर 1939
- कांग्रेस मंत्रालय फिर से बहाल हुआ

## द्वितीय विश्व युद्ध

- मित्र राष्ट्र ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ
- धुरी जर्मनी, इटली, जापान